जीवन दर्शन

इच्छाओं के सामने आते ही सभी प्रतिज्ञाएं ताक पर धरी रह जाती हैं - अज्ञात

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

शुक्रवार 6 जून, 2025 ■ वर्ष 14 ■ अंक 115 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

www.globalherald.news

जोकोविच फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे:वर्ल्ड नंबर-1 सिनर से भिड़ेंगे,...

पृष्ठ 8 पर

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली हाईकोर्ट बोला-फीस नहीं देने पर धमका नहीं सकते, स्कूल सिर्फ कमाई का जरिया नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को फीस नहीं देने के कारण 31 स्टूडेंट्स को सस्पेंड करने के मामले में द्वारका के दिल्ली पब्लिक स्कूल को फटकार लगाई। जस्टिस सचिन दत्ता की सिंगल बेंच ने कहा कि स्कूल फीस नहीं देने पर बच्चों को धमकाया नहीं जा सकता। इस तरह की हरकतें मेंटल हैरेसमेंट के बराबर हैं और स्टूडेंट्स के आत्म-सम्मान को ठेस पहुंचाती है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, कोर्ट ने कहा, 'स्कूल सिर्फ कमाई का जरिया नहीं है। इसका पहला मकसद बच्चों को शिक्षा देना और नैतिक मूल्यों को विकसित करना है, न कि एक कॉमर्शियल इंटरप्राइज के रूप में काम करना। भले ही स्कूल अपनी सेवाओं के लिए फीस लेता है, लेकिन उसे सिर्फ कॉमर्शियल संस्थान के बराबर नहीं माना जा सकता।' दरअसल, पूरा मामला दिल्ली के द्वारका स्थित डीपीएस से जुड़ा है। 9 मई 2025 को डीपीएस ने फीस न भरने पर 32 बच्चों के नाम काट दिए थे। 13 मई को जब ये बच्चे स्कूल पहुंचे, तो 4 मेल और दो फीमेल बाउंसर्स ने उनकी आईडी चेक की और उन्हें वापस भेज दिया। इन्हें घर भेजने से पहले पेरेंट्स को बताया भी नहीं गया।

अमरनाथ यात्रा- ऑपरेशन शिवा में 58 हजार जवान तैनात होंगे, 3 से शुरू होगी 38 दिन की यात्रा

श्रीनगर। अमरनाथ यात्रा के काफिले की सुरक्षा के लिए पहली बार जैमर लगाए जाएंगे, जिसे केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) सुरक्षा प्रदान करेगी। काफिले के गुजरने के दौरान सुरक्षा के लिए यात्रा के दोनों रूट और नेशनल हाईवे की ओर जाने वाली सभी सड़कों को बंद कर दिया जाएगा। यह फैसला 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद आया है। बायसरन घाटी में हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटक मारे गए थे। इसके अलावा यात्रा के लिए अलग-अलग केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 581 कंपनियां तैनात की जाएंगी। अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा को ऑपरेशन शिवा नाम दिया गया है। लगभग 42000 से 58,000 जवान तैनात होंगे। CAPF में सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स, सशस्त्र सीमा बल, इंडो तिब्बत बॉर्डर पुलिस, सेंट्रल इंडस्ट्री सिक्योरिटी फोर्स शामिल रहती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 156 कंपनियां पहले से जम्मू-कश्मीर में तैनात थीं, जबकि 425 नई कंपनियों को 10 जून तक तैनात किया जाएगा। 3 जुलाई से 9 अगस्त तक चलने वाली यात्रा पहली बार 38 दिन की हो रही है। 9 अगस्त को छड़ी मुबारक के साथ रक्षाबंधन के दिन पूरी होगी। इस बार श्रद्धालुओं को कंधे पर बिठाकर ले जाने वाले पोनी वालों का वैरिफिकेशन होगा।

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले यूट्यूबर जसबीर के मोबाइल में 150 पाकिस्तानी नंबर मिले

नई दिल्ली। पंजाब पुलिस ने रूपनगर के महलां गांव से यूट्यूबर जसबीर सिंह को गिरफ्तार किया था। उस पर शक था कि वह पाकिस्तान के लिए जासूसी करता हैं यह अब सच साबित होता नजर आ रहा है। जांच में गिरफ्तार यूट्यूबर जसबीर सिंह के मोबाइल में पाकिस्तान के 150 कॉन्टैक्ट नंबर मिले हैं। यह जानकारी बाहर आते साथ ही हड़कंप मच गया है। जसबीर करीब 3 बार पाकिस्तान भी जा चुका है। वही पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि वह एक्सएजेंट हसन अली उर्फ जट्ट रंधावा के संपर्क में था। साथ ही यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा और पाकिस्तानी उच्चायोग से निष्कासित अधिकारी एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश से भी संपर्क में था। इन सब जानकारी सामने आने के बाद अब उससे और भी कई बड़े राज सामने आने की संभावना बताई जा रही है। बड़ी बात यह है कि जसबीर सिंह दानिश के निमंत्रण पर दिल्ली में आयोजित पाकिस्तान राष्ट्रीय दिवस कार्यक्रम में भी शामिल हुआ था। इस दौरान उसकी मुलाकात पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों और ब्लॉगर्स से हुई थी। पुलिस ने जसबीर सिंह के खिलाफ मोहाली में स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (SSOC) ने मामला दर्ज किया है।

मध्यप्रदेश बनेगा ग्लोबल वेलनेस सेंटर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

समिट में आये 1,950 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव

उज्जैन ■

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में स्पिरिचुअल एंड वेलनेस समिट में कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के हील इंडिया और लाइफ स्टाइल जैसे दूरदर्शी विचारों से प्रेरित होकर मध्यप्रदेश को समग्र जीवनशैली और वेलनेस नवाचार का ग्लोबल सेंटर बनाया जा रहा है। समिट के माध्यम से प्रदेश ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह भारत के वेलनेस मिशन का नेतृत्व करने को पूरी तरह तैयार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समिट को एक परिवर्तनकारी पहलबताया और कहा कि यहां नीति, निवेश, अध्यात्म और समाज कल्याण का संगम हुआ है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश अब भारत के वेलनेस मिशन का ग्लोबल इंजन बनने को तत्पर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समिट में वेलनेस और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र के निवेशकों से13 वन-टू-वन बैठकेंकीं, जिनमें बुनियादी जरूरतों, निवेश समर्थक नीतियों और प्राथमिकताओं पर चर्चा हुई। समिट में 1950 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस और गंगा दशहरा एक ही दिन होने का सुखद संयोग हुआ है। इस अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान का प्रदेश में पुनः शुभारंभ किया गया है। इस अभियान के अंतर्गत प्रदेश में 5 करोड़ पौधे रोपे गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि उनकी सरकार रोजगार सृजन के लिए तेजी से काम कर रही है। धार्मिक स्थानों पर सभी चिकित्सा पद्धतियों के बड़े केन्द्र बनाने के पीछे आशय यही है कि दुनिया भर के लोगों को स्वास्थ्य के साथ अध्यात्म भी प्राप्त हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पिछले साल सभी संभागीय मुख्यालयों पर हुई रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और फरवरी में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में हुए ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट में जहां 30 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले वहां 21 लाख 75 हजार रोजगार सृजन होने की संभावना भी है। उन्होंने कहा कि हमने 2025 को उद्योग वर्ष घोषित किया है और लगातार सेक्टर वार समिट का आयोजन किया जा रहा है।

निवेश प्रस्ताव...

प्रमुख निवेश प्रस्तावों में भंडारी ग्रुप -984 करोड़ रुपए, अमलतास ग्रुप -400 करोड़ रुपए, सीएचएल हॉस्पिटल ग्रुप -200 करोड़ रुपए, लेटेंट डेवकॉन, लाभम ग्रुप, शथायू आयुर्वेद, रॉयल ऑर्किड, शांतिगिरी आश्रम, जिंदल ग्रुप सहित अन्य निवेशकों के प्रस्ताव शामिल हैं। समिट में दो पैनल सत्र आयोजित किए गए, जिनमें वेलनेस इन्फ्रास्ट्रक्चर, सिंहस्थ आधारित मेडिकल टूरिज्म, रोजगार सृजन, और कौशल विकास जैसे विषयों पर विचार हुआ।

राफेल फाइटर जेट की बॉडी भारत में बनेगी, टाटा ग्रुप का डसॉल्ट एविएशन के साथ समझौता

नई दिल्ली ■

राफेल फाइटर जेट की मेन बॉडी अब हैदराबाद में बनेगी। इसे फ्यूजलाज कहा जाता है। भारत की टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड ने इसके लिए फ्रांस की कंपनी डसॉल्ट एविएशन के साथ चार प्रोडक्शन ट्रांसफर एग्रीमेंट साइन किए हैं। राफेल की पहली फ्यूजलाज यूनिट 2028 में असेंबली लाइन से बाहर आएगी। हैदराबाद में बनाए जा रहे मैन्युफैक्चरिंग प्लांट से हर महीने दो पूरी मेन बॉडी तैयार होने की उम्मीद है। टाटा और डसॉल्ट की ये साझेदारी भारत के रक्षा क्षेत्र में निजी कंपनियों की भागीदारी को बढ़ाएगी।

डसॉल्ट ने कहा कि ये प्रोजेक्ट भारत और फ्रांस के बीच रक्षा सहयोग का एक बड़ा कदम है। इससे भारत में रक्षा उपकरण बनाने की क्षमता बढ़ेगी और स्थानीय इंजीनियर्स को विश्व स्तरीय तकनीक सीखने का मौका मिलेगा। ये पहली बार होगा जब राफेल की मेन बॉडी फ्रांस के बाहर बनेगी। टाटा ग्रुप पहले से ही डसॉल्ट के साथ मिलकर राफेल और मिराज 2000 जैसे विमानों के पुर्जे बनाता है। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के सीईओ सुकरन सिंह ने कहा, ये साझेदारी भारत के हवाई जहाज बनाने के सफर में एक बड़ा कदम है।

थरूर ने कहा- देशहित में काम करना पार्टी विरोधी नहीं

नई दिल्ली। भारत सरकार के डेलीगेशन में अमेरिकी दौरे पर गए कांग्रेस नेता शशि थरूर ने गुरुवार को पार्टी विरोधी बयानबाजी पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा- जो लोग राष्ट्रहित में काम करने को पार्टी विरोधी गतिविधि मानते हैं, उन्हें खुद से सवाल करना चाहिए। थरूर ने यह जवाब कांग्रेस छोड़ने की अटकलों के सवाल पर दिया। उन्होंने कहा- जब आप देश की सेवा कर रहे हों, तब ऐसी चीजों की ज्यादा परवाह नहीं करनी चाहिए। हमारे राजनीतिक मतभेद भारत के बॉर्डर के बाहर जाते ही खत्म हो जाते हैं। सीमा पार करते ही हम पहले भारतीय होते हैं। थरूर इन दिनों अमेरिकी दौरे पर हैं, जहां वे ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बने मल्टी पार्टी डेलीगेशन को लीड कर रहे हैं। सरकार के समर्थन में बोलने पर कांग्रेस नेता उदित राज ने थरूर को भाजपा का सुपर प्रवक्ता बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की भारत-पाक के बीच मध्यस्थता के बयान पर थरूर बोले- मैं यहां किसी विवाद को हवा देने नहीं आया हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति का सम्मान है। हमें नहीं पता उन्होंने पाकिस्तान से क्या कहा, पर हमें किसी की सलाह की जरूरत नहीं थी। हमने पहले दिन कहा था कि अगर पाकिस्तान हमला करेगा, तो हम और जोर से जवाब देंगे। और अगर वो रुक जाएगा, तो हम भी रुक जाएंगे।

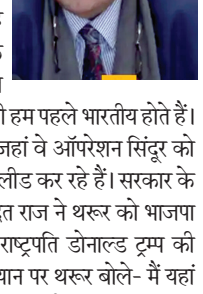

बेंगलुरु भगदड़- पुलिस कमिश्नर समेत 8 अफसर सस्पेंड, आरसीबी अफसरों की गिरफ्तारी के आदेश

बेंगलुरु ■

बेंगलुरु भगदड़ मामले में सीएम सिद्धारमैया ने पुलिस को आरसीबी और डीएनए इवेंट मैनेजमेंट एजेंसी के अफसरों को अरेस्ट करने का आदेश दिया है। साथ ही बेंगलुरु के पुलिस कमिश्नर समेत 8 अफसरों को सस्पेंड कर दिया है। सस्पेंड किए गए अधिकारियों में पुलिस कमिश्नर के अलावा एडिश्नल पुलिस कमिश्नर, कब्बन पार्क थाना प्रभारी, एसीपी, डीसीपी सेंट्रल डिवीजन, क्रिकेट स्टेडियम प्रभारी, स्टेशन हाउस मास्टर, स्टेशन हाउस ऑफिसर शामिल हैं।

सीएम सिद्धारमैया ने कहा- मामले की जांच के लिए हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज माइकल डी कुन्हा की अध्यक्षता में एक सदस्यीय जांच आयोग बनाया गया है। आयोग 30 दिन में अपनी रिपोर्ट सौंपेगा। आरसीबी के इस कार्यक्रम के आयोजन में जो लोग जिम्मेदार थे, उन पर भी कार्रवाई होगी। इवेंट मैनेजमेंट एजेंसी डीएनए, केएससीए के अफसरों की गिरफ्तारी होगी।

गंभीर बोले- वर्ल्डकप जीतने पर भी रोडशो नहीं करना चाहिए

मुंबई। टीम इंडिया के कोच गौतम गंभीर ने कहा है- 'वर्ल्ड कप जीतने पर भी रोड शो नहीं करना चाहिए। ऐसे आयोजन में हादसों का खतरा है क्योंकि लोगों की जान सबसे ज्यादा कीमती है। मैं 2007 वर्ल्ड कप जीत के बाद भी नहीं चाहता था कि रोड शो हो।' इंग्लैंड दौरे पर रवाना होने से पहले गुरुवार को मुंबई में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में गंभीर ने कहा- 'बेंगलुरु में रोड शो के दौरान हुए हादसे ने दुखी किया। मैं घटना के लिए किसी को भी जिम्मेदार नहीं ठहराता। इस तरह के माहौल में लापरवाही और हादसों की आशंका बहुत ज्यादा बढ़ जाती है, इसलिए इनसे बचना चाहिए।'

वीजा बैन को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा पाकिस्तानी नागरिक

नई दिल्ली। 2016 से गोवा में लॉन्ग टर्म वीजा पर रह रहे एक पाकिस्तानी नागरिक ने वीजा रद्द करने के भारत सरकार के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा कैंसिल कर दिए गए थे। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने कहा- आप वापस (पाकिस्तान) जाइए। वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता वापस जाएगा, लेकिन उसे सुना जा सकता है क्योंकि लॉन्ग टर्म वीजा में एक शर्त है। हालांकि, कोर्ट ने पूछा कि वे हाईकोर्ट क्यों नहीं गए। इस पर वकील ने जवाब दिया कि पुलिस याचिकाकर्ता के पास आई थी। अदालत ने कहा कि मामले को सुनवाई के लिए बाद में लिस्ट किया जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूरः मोहन भागवत बोले- सभी दलों ने सहयोग किया

नागपुर। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत नागपुर में कार्यकर्ता विकास कार्यक्रम के मौके पर पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि- पहलगाम हमले के बाद जैसी राजनीतिक एकता दिखी, वो बनी रहनी चाहिए। भागवत बोले- पहलगाम हमले से पूरा देश दुखी और आक्रोशित था। लोग चाहते थे कि दोषियों को सजा मिले और कार्रवाई हो। हमारी सेना ने पराक्रम दिखाया और सरकार ने भी सख्ती से कार्रवाई की। 25 मई को आरएसएस चीफ ने कहा- हिंदू एक हों, सेना को भी मजबूत बनाएं आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने 25 मई को एक मीडिया इंटरव्यू पर कहा- भारत के पास शक्तिशाली होने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

अयोध्या में राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा

अयोध्या के राम मंदिर में राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा हो गई। सीएम योगी ने राम दरबार का पूजन किया। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम अभिजीत मुहूर्त में सुबह 11.25 से 11.40 बजे तक चला। रामलला के गर्भगृह के ऊपर यानी फर्स्ट फ्लोर पर राम दरबार बनाया गया है।

1 करोड़ का इनामी नक्सली सुधाकर ढेर

बीजापुर ■

छत्तीसगढ़ में जारी नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई में सुरक्षाबलों को एक और बड़ी कामयाबी मिली है। बीजापुर के नेशनल एरिया पार्क के जंगल में हुए मुठभेड़ में जवानों ने 1 करोड़ इनामी नक्सली को मार गिराया है। मृतक नक्सली की पहचान सीसी मेम्बर नरसिम्हाचलम उर्फ गौतम उर्फ सुधाकर के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार मारा गया नक्सली नेता आंध्र प्रदेश के चिन्तापलुदी का रहने वाला था। सीसी मेंबर मे वह शिक्षा विभाग का इंचार्ज था। घटनास्थल से ऑटोमेटिक हथियार भी बरामद हुआ है। बताया गया कि सुरक्षाबलों की टीम एंटी नक्सल ऑपरेशन के तहत जंगल में सर्चिंग ऑपरेशन कर रही थी। इस दौरान जंगल में मुठभेड़ शुरू हो गई। जवानों ने मोर्चा संभाला और ताबड़तोड़ फायरिंग कर 1 करोड़ इनामी नक्सली को ढेर कर दिया। बीजापुर एसपी डॉक्टर जितेंद्र यादव ने मुठभेड़ की पुष्टी की है। हालांकि मुठभेड़ में कितने नक्सली मारे गए इसकी पुष्टि नहीं हुई है। इससे पहले 21 मई को नारायणपुर के अबूझमाड़ के जंगलों में हुए मुठभेड़ में नक्सलियों के चीफ नंबाला केशव उर्फ बसव राजू मारा गया था। उस पर डेढ़ करोड़ रुपए का इनाम था। वह नक्सलियों की सेंट्रल कमेटी का जनरल सेक्रेटरी था।

व्यंग्य : राहुल 'पप्पू' नहीं, चतुर हैं : कुछ भी बोलो, होना क्या है..?

ग्लोबल हेराल्ड न्यूज एनालिसिस GHNA

दिलीप शर्मा (वरिष्ठ पत्रकार)

कांग्रेस सांसद व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी परिपक्व नहीं हुए हैं और इसलिए उन्हें ' पप्पू ' कहते हैं. प्रधानमंत्री मोदी पर ' सीजफायर ' मामले में विवादित टिप्पणी करने पर यह रिएक्शन मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का रहा, लेकिन मुख्यमंत्री भी समझ नहीं सके, कि राहुल गांधी ' पप्पू ' नहीं बल्कि बेहद चतुर, होशियार हैं जिसका प्रमाण है कि वे संविधान की गहरी समझ रखते हैं और जानते हैं कि कुछ भी बोलो, होना क्या है.. माफी मांग लेंगे और क्या..?

राहुल 'पप्पू ' नहीं, पब्लिसिटी स्टंट में माहिर : कुछ भी बोलो : सिर्फ फटकार और क्या..?

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी जो नेता प्रतिपक्ष भी हैं, उनके बारे में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खुलासा किया कि राहुल गांधी परिपक्व नहीं हैं इसलिए उन्हें 'पप्पू ' कहते हैं, लेकिन मुख्यमंत्री भी समझ नहीं सके कि राहुल गांधी पप्पू नहीं अपितु ' पब्लिसिटी स्टंट ' व देश में आम आदमी व खास आदमी के लिए कानून की गहरी समझ रखने वाले चतुर खिलाड़ी हैं जो जानते हैं कि 22 -23 केस के बाद भी कुछ नहीं हुआ है और कोर्ट फटकार लगा देता है तो माफी मांग लेते हैं और क्या होना है..? संविधान में अपने बोलने की आजादी के मौलिक अधिकार की गहरी समझ रखने वाले राहुल गांधी जानते हैं कि कुछ भी गलत बोलो तो होना कुछ नहीं है अपितु मीडिया में भरपूर जगह मिल जाती है. अपने देश का या अपनी सेना का अपमान कर दो तो दुश्मन देश में हीरो बन जाते हैं. भोपाल में प्रधानमंत्री मोदी पर बोले कि ट्रम्प ने फोन किया, मोदी जी क्या कर रहे हो और नरेंदर ने जी हुजूर कह कर सरेंडर कर दिया. ऐसे शब्दों पर कांग्रेसी नेताओं ने तालियां पीट दी, जबकि ऐसे शब्दों पर मुख्यमंत्री मोहन यादव भड़क गए कि ऐसे शब्द बर्दाश्त नहीं और उन्होंने पप्पू क्यों कहते यह भी बता दिया, बीजेपी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने देशद्रोह जैसा बयान बता दिया. खैर मुख्यमंत्री हों या नड्डा कोई भी राहुल गांधी को गहराई से समझ नहीं सके हैं, क्योंकि राहुल गांधी पर मुख्यमंत्री का भड़कना, नड्डा का बयान आदि से राष्ट्रीय खबर बन गई और मोदी पर कुछ भी बोल वे खासे चर्चित हो गए. यहां तक कि अमेरिका तक चर्चा हो गई और कांग्रेस नेता थरूर से जब राहुल गांधी के बयान पर सवाल हुआ तो वे बोले हमे किसी की मध्यस्थता की जरुरत नहीं. अब जबकि राहुल खुद मानते हैं कि मीडिया बिकाऊ है, अडानी, अम्बानी का है तो पब्लिसिटी कैसे मिलेगी, इसलिए वे हर बार गलत बोलने का अपराध करते हैं, जैसा कि 2022 में सेना का अपमान कर किया कि अरुणाचल सीमा पर चीनी सैनिक भारतीय सैनिकों को पीट रहे थे. इस पर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उन्हें फटकार लगा दी, तो क्या होगा माफी मांग लेंगे,सुप्रीम कोर्ट में मोदी को चौकीदार चोर कहने पर मांगी थी. 22-23 केस हो गए हैं, होना क्या है, ऐसा वे समझते हैं, इसलिए पप्पू कहना उचित नहीं है.बड़े बड़े वकील हैं, बड़े घोटाले से भी बचा लेंगे. ऐसे जानकार नेता को पप्पू कैसे कह सकते हैं..? 2025 में लगातार सेना का अपमान कर रहे हैं, क्योंकि जानते हैं ' प्रधानमंत्री का पद ' सेना से भी बड़ा है और वह तभी मिलेगा जब उस पद पर काबिज व्यक्ति को कैसे भी कर हटाया जाए..?

रीवा में दर्दनाक हादसा, ऑटो पर पलटा ट्रक, सात की मौत, कई लोग घायल

रीवा ■

मध्य प्रदेश में लगातार दूसरे दिन बड़ा हादसा हुआ। गुरुवार को रीवा जिले में सोहागी पहाड़ के पास एक ऑटो पर सीमेंट की शीट से भरा ट्रक पलट गया।

हादसे में सात लोगों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। इससे पहले बुधवार को झाबुआ में ट्रॉला एक वैन पर पलटने से नौ लोगों की मौत हो गई थी और दो घायल हो गए थे। रीवा में मौत की घाटी कही जाने वाली सोहागी घाटी में गुरुवार दोपहर सोहागी थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच 30 पर ऑटो पर सीमेंट की शीटों से लदा ट्रक पलट गया। इस दर्दनाक हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक ने अस्पताल ले जाते समय और दो ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। ऑटो सवार सभी लोग मऊगंज की नई गढ़ी के रहने वाले थे। जानकारी के अनुसार ऑटो में सवार दस लोग गंगा दशमी पर प्रयागराज में गंगा स्नान कर लौट रहे थे। ट्रक भी प्रयागराज से रीवा की ओर आ रहा था। यूपी और एमपी की बॉर्डर पर सोहागी घाटी से गुजरते वक्त ट्रक ने ऑटो को ओवरटेक किया।

इनकी हुई मौत

हादसे में रामजी जायसवाल उम्र 38 निवासी भमरा जिला मऊगंज, पिंकी जायसवाल 35 वर्ष, अंबिका जायसवाल 8 वर्ष, हीरालाल जायसवाल 65 वर्ष, मानवी जायसवाल 7 वर्ष निवासी बहेरी देवतालाब, अरविंद जायसवाल 6 वर्ष निवासी बहेरी, सौरभ जायसवाल 12 वर्ष निवासी उमरी की मौत हुई है। ये हैं घायल- वहीं, रविता जायसवाल, निवासी बहेरी, अदिति जायसवाल उम्र 5 वर्ष, प्रियांशु जायसवाल उम्र 10 वर्ष तीना निवासी भमरा घायल हैं।

विकास और पर्यावरण में समरसता ही सतत विकास का मार्ग : मंत्री सिंह

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

8 से 10 जून तक चलेगा राज्यव्यापी सड़क निरीक्षण अभियान

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के निर्देश पर विभाग के पर्यावरण हितैषी नवाचार एवं ग्रीन टेक्नोलॉजीस पर केंद्रित ह्यपर्यावरण से समन्वयह्न विषय पर गुरुवार को कार्यशाला हुई। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के मुख्यालय भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने कहा है कि लोक निर्माण विभाग अब केवल भौतिक निमार्णों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जल संरक्षण, हरित तकनीकों के उपयोग और पारिस्थितिकी संतुलन को अपनी कार्यप्रणाली में प्राथमिकता से शामिल करेगा। उन्होंने विभाग की पर्यावरणीय सोच और भविष्य की कार्यनीतियों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि विकास और पर्यावरण में समरसता ही सतत विकास का मार्ग है।

कार्यशाला में सड़क विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री भरत यादव एवं तकनीकी सलाहकार श्री आर के मेहरा, प्रमुख अभियंता श्री के.पी.एस. राणा, प्रमुख अभियंता श्री एस आर बघेल, भवन विकास निगम के प्रमुख अभियंता श्री अनिल श्रीवास्तव, सभी मुख्य अभियंता और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से परिक्षेत्र स्तर पर सभी विभागीय इंजीनियर उपस्थित थे। इस प्रकार कार्यशाला में कुल 1141 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इंदौर परिक्षेत्र से ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में वीसी के माध्यम से कार्यशाला में 220 प्रतिभागियों ने भाग लिया। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि ह्यलोक निर्माण से लोक कल्याणह्न केवल एक नारा नहीं बल्कि विभाग की बुनियादी कार्यनीति है, जिसमें अब पर्यावरणीय संतुलन भी स्वाभाविक रूप से शामिल है। उन्होंने कहा कि विकास की गति के साथ-साथ प्रकृति का संरक्षण अब हर अभियंता की जिम्मेदारी है। मंत्री श्री सिंह ने विभाग के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि लोक निर्माण विभाग औपनिवेशिक काल से ही जल संरक्षण और संचयन के कार्यों में अग्रणी रहा है और वर्तमान में भी यह परंपरा नैतिक जिम्मेदारी रूप में आगे बढ़ रही है। भूजल स्तर में गिरावट को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए मंत्री श्री सिंह ने कहा कि जल संरक्षण की दिशा में विभाग द्वारा कई ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। मंत्री श्री सिंह ने बताया कि विभाग सड़क निर्माण में उपयोग होने वाली मिट्टी का युक्तियुक्त उपयोग कर ह्यलोक कल्याण सरोवरह्न का निर्माण कर रहा है। इस पहल के अंतर्गत सरोवरों की डिजाइनिंग, सौंदर्यीकरण, वृक्षारोपण, सूचना पटल और जियो-टैगिंग की प्रक्रिया अपनाई जा रही है। उन्होंने बताया कि 500 लोक कल्याण सरोवरों के निर्माण का लक्ष्य है। इंदौर जिले की मिसाल देते हुए उन्होंने कहा कि पीएम गतिशक्ति पोर्टल के माध्यम से 2 किलोमीटर रेडियस में सरकारी जमीन और निचले क्षेत्र चिन्हित कर 200 से अधिक स्थानों की पहचान की गई। शीघ्र ही गांधीनगर स्थित भास्कराचार्य संस्थान के सहयोग से पीएम गतिशक्ति पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया जाएगा। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि वे स्वयं 20 सरोवरों का निरीक्षण करेंगे और प्रमुख अभियंता 10-10 सरोवरों का निरीक्षण करेंगे। मंत्री श्री सिंह ने बताया कि विभाग अब सड़क किनारे रिचार्ज बोर का निर्माण कर रहा है, जिससे वर्षा जल को भूगर्भ में पहुंचाकर ग्राउंड वाटर रिचार्ज किया जा सकेगा। जबलपुर एलिवेटेड कॉरिडोर पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग का प्रावधान किया गया है। वर्तमान और निमार्णाधीन फ्लाईओवर एवं आरओबी में रैनवाटर हार्वेस्टिंग के लिये जरूरी प्रावधान करने के निर्देश जारी कर दिए गए है। मंत्री श्री सिंह ने जानकारी दी कि विभाग ने ट्री-शिफ्टिंग कार्य को एसओआर में शामिल किया है, जिससे निर्माण के साथ-साथ पेड़ों का संरक्षण भी संभव हो रहा है। भोजपुर-बंगरसिया मार्ग के 4 लेन चौड़ीकरण कार्य में प्रभावित 450 से अधिक पेड़ों को शिफ्ट किया जाएगा। और इसी प्रकार अब अन्य मार्गों पर भी पेड़ो को काटने के बजाय उन्हें शिफ्ट करने पर जोर दिया जाएगा। मंत्री श्री सिंह ने प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा शुरू किए गए ह्यएक पेड़ माँ के नामह्न अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि लोक निर्माण विभाग 1 जुलाई 2025 को एक लाख पौधे लगाएगा। यह अभियान स्कूलों में चल रहे ह्यएक पेड़ माँ के नाम 2.0ह्न से भी समन्वित होगा। उन्होंने इंजीनियरों से आग्रह किया कि वृक्षारोपण स्थलों की पहचान करें, प्रजातियों का चयन करें, जिम्मेदारियाँ तय करें और परिवार के साथ वृक्षारोपण कर सोशल मीडिया पर फोटो साझा करें। ठेकेदारों को भी इस अभियान में शामिल कर प्रोत्साहित किया जाएगा। विभाग द्वारा हरित भवन निर्माण की दिशा में भी प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। मंत्री श्री सिंह ने बताया कि ऊर्जा दक्ष डिजाइन, पर्यावरण अनुकूल निर्माण सामग्री और नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग विभागीय भवनों में अनिवार्य किया जा रहा है, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ लंबी अवधि में परिचालन लागत भी घटेगी।

पुलिस की कार्यवाही में रतलाम का सप्लायर सहित लोकल MD ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निदेर्शों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रयह्नविक्रय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार आसूचना संकलन कर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है।

इसी अनुक्रम में मुखबिर ल सूचना पर क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा बीमा हॉस्पिटल, रिक्शा स्टैंड के पीछे मारीमाता चौराहा, इंदौर पर पहुंचे जहां मुखबिर के द्वारा बताए हुलिए के 02 संदिग्ध व्यक्ति दिखे जो पुलिस को देख घबराने लगे, जिससे पूछताछ पर आरोपी के द्वारा अपना नाम (1). मोहम्मद गनी पटेल उम्र 31 वर्ष निवासी खजराना इंदौर एवं (2).मोहसिन मेव उम्र 31 वर्ष निवासी जावरा जिला रतलाम का होना बताया। आरोपी ने प्रार्रंभिक पूछताछ में बताया कि नशा करने का आदि है MD ड्रग्स सस्ते दामों पर लाकर शहर में अपने साथी एवं नशे के आदि लोगों को सप्लाई करने का था इरादा।आरोपी के कब्जे से 54.78 ग्राम MD ड्रग्स जप्त कर, आरोपीयो के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 106/25 धारा 8/22 NDPS एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं।

राज्यपाल पटेल ने रामफल का पौधा रोप कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजभवन के नवग्रह उद्यान में पौधारोपण किया। उन्होंने रामफल का पौधा लगाया। राज्यपाल श्री पटेल ने प्रदेशवासियों से भी पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि हम सभी अपने जीवन के विशेष अवसरों जैसे जन्म दिवस, वर्षगांठ आदि पर एक पेड़ अवश्य लगाएं। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री के. सी. गुप्ता ने लीची का पौधा लगाया। अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव ने सिंदूर का पौधा लगाया।

यूका का कचरा जलाने से रोकने की मांग सुप्रीम कोर्ट ने ठुकराई, कहा- विशेषज्ञों की निगरानी में जल रहा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

पीथमपुर के तारपुरा गांव में जलाए जा रहे यूनियन कार्बाइड के कचरे को जलने से रोकने की यचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि कचरा विशेषज्ञों की निगरानी में जल रहा है और कोर्ट पूरे मामले पर निगरानी बनाए हुए है। इस कारण तत्काल हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है।

यह याचिका इंदौर के सामाजिक कार्यकर्ता चिन्मय मिश्रा ने लगाई थी। याचिका में कहा गया कि कचरा जलाने के लिए हाईकोर्ट ने 72 दिन की समय सीमा तय की थी, जो 8 जून को समाप्त हो रही है। इस कारण तत्काल सुनवाई जरूरी है। इस पर न्यायमूर्ति संजय कौल और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने स्पष्ट रूप से कहा कि इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि इसकी निगरानी मध्य प्रदेश हाई कोर्ट और विशेषज्ञों की देखरेख में पहले से ही की जा रही है।

एनजीओ व सामाजिक कार्यकर्ता प्रक्रिया को बाधित कर रहे

पीठ ने इस दौरान सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि इस जहरीले कचरे को हटाने के लिए हम वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन तथाकथित एनजीओ और सामाजिक कार्यकर्ता इस प्रक्रिया को लगातार बाधित करते आ रहे हैं। याचिका में कहा गया था कि मध्यप्रदेश हाई कोर्ट ने कचरा जलाने की अनुमति 72 दिनों के लिए दी थी, जिसकी समयसीमा 8 जून 2025 को समाप्त हो रही है। ऐसे में कोर्ट को हस्तक्षेप करना चाहिए ताकि पर्यावरणीय नुकसान को रोका जा सके। याचिकाकर्ता की ओर से अशोक कुमार वासुदेवन ने कहा कि पीथमपुर में कचरा जलाने की प्रक्रिया पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप नहीं है और इससे स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने इन दलीलों को सुनने के बाद कहा कि चूंकि, यह मामला तकनीकी विशेषज्ञों और संबंधित पर्यावरण एजेंसियों की निगरानी में चल रहा है, अतः इस स्तर पर कोर्ट की तत्काल दखल की जरूरत नहीं है।

1984 गैस त्रासदी का है यह कचरा

बता दें कि 1984 में भोपाल में हुई यूनियन कार्बाइड गैस त्रासदी के बाद बचे रासायनिक कचरे का निपटारा दशकों से लंबित था। इस कचरे को पीथमपुर स्थित रामकी कंपनी के इंसिनरेटर में जलाया जा रहा है। कचरा जलाने का पहला ट्रायल दो माह पहले किया गया था। तब 30 टन कचरा कचरा जलाकर देखा गया। उसकी रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश की गई। संयंत्र व गांव के कुछ स्थानों पर गैस का पता लगाने के लिए उपकरण भी लगाए गए हैं। विशेषज्ञों ने दावा किया है कि कचरा जलाने से वातावरण में कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है। उधर, समय-समय पर ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। बता दें, इस कचरे के निपटान के लिए केंद्र सरकार ने रामकी कंपनी को 126 करोड़ रुपये दिए हैं। 12 कंटेनरों में यह कचरा भोपाल से इसी साल जनवरी माह में इंदौर के समीप पीथमपुर लाया गया था। इसका काफी विरोध भी ग्रामीणों ने किया था।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ने दो अपराधियों को किया जिलाबदर

इंदौर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह द्वारा इंदौर जिला अन्तर्गत ग्रामीण थाना क्षेत्रों में आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त दो अपराधियों के विरूद्ध 6 माह के लिये जिलाबदर की कार्रवाई की गई है। जिन अपराधियों को जिलाबदर किया गया है, उनमें सिमरोल थाना क्षेत्र के ग्राम दतौदा निवासी भारत सिंह पिता जालमसिंह मण्डलोई तथा बड़गांव थाना क्षेत्र के गोपाल उर्फ रामगोपाल पिता तोलाराम यादव निवासी ग्राम पांजरिया जिला इंदौर शामिल हैं। इनके विरूद्ध आमजनों से गालीगलौच करने, मारपीट करने, जान से मारने के धमकी देने, आगजनी करने, डराने-धमकाने जैसे मामलों में कई प्रकरण पंजीबद्ध हैं।

प्रेस-काउंसिल अथवा भारतीय प्रेस-परिषद के नाम का उपयोग करना अवैधानिक

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

केन्द्र सरकार ने प्रेस-काउंसिल ऑफ इंडिया (भारतीय प्रेस परिषद) के नाम के अनाधिकृत उपयोग पर रोक लगाने के लिए एडवाइजरी जारी की है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा एडवाइजरी में कहा गया है कि उन्हें सूचना मिली है, कुछ प्रेस संगठनों द्वारा 'प्रेस-परिषद' शब्द का अनुचित उपयोग किया जा रहा है, जिससे प्रेस-काउंसिल ऑफ इंडिया की संस्थागत महत्ता प्रभावित हो रही है और उसके विशिष्ट अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह एडवाइजरी जारी की गई है।

सचिव सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा जारी निदेर्शों में कहा गया है कि प्रेस-काउंसिल ऑफ इंडिया एक सांविधिक निकाय है। इसकी स्थापना प्रेस-परिषद अधिनियम-1978 के तहत प्रेस की स्वतंत्रता को सुरक्षित रखने और समाचार-पत्रों एवं समाचार एजेंसियों के मानकों को बनाए रखने एवं सुधारने के उद्देश्य से की गई थी। इसका सचिवालय नई दिल्ली के लोधी रोड स्थित सीजीओ कॉम्प्लेक्स के सूचना भवन में है। सचिवालय द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि भारतीय प्रेस-परिषद की किसी भी राज्य में कोई शाखा नहीं है, न ही उसने किसी अन्य निकाय को अपने समान या मिलते-जुलते नाम का उपयोग करने के लिए अधिकृत किया है। सचिवालय से जारी निर्देश के अनुसार किसी संगठन द्वारा प्रेस काउंसिल अथवा भारतीय प्रेस-परिषद शब्द का उपयोग करना, प्रतीक और नाम के अनुचित उपयोग निवारण अधिनियम, 1950 की धारा 3 और प्रविष्टि का उल्लंघन है। इस संदर्भ में केन्द्रीय विधि विभाग ने भी स्पष्ट किया है कि किसी अन्य संगठन द्वारा इस नाम का उपयोग करना अवैध है और इसके लिए कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। सचिवालय ने 'प्रेस-काउंसिल' अथवा भारतीय प्रेस परिषद शब्द का उपयोग न करने के संबंध में सभी जिला कलेक्टर्स को भी निर्देशित किया गया है।

इन्दौर विकास प्राधिकरण द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इन्दौर विकास प्राधिकरण द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विकसित सुपर कॉरिडोर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रारम्भ में मुख्य कार्यपालिक अधिकारी श्री आर.पी. अहिरवार द्वारा अपने स्वागत भाषण में प्राधिकरण द्वारा इस वर्ष तीन लाख वृक्षों को लगाने के संकल्प को दोहराया। कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी एवं अन्य जनप्रतिनिधि, क्षेत्र के गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थी उपस्थित थे।

इस अवसर पर मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपने संबोधन में कहा कि प्रकृति हमारे लिये भगवान है, यही कारण है कि हम इसकी पूजा करते है, इसका संरक्षण करना हमारा परम धर्म होना चाहिये। उन्होंने उपस्थित बच्चों से कहा कि आप आज रोपे गये वृक्षों की समय-समय पर आकर देखभाल करें। इस प्रकार आप पर्यावरण के प्रति सजग प्रहरी बन सकेंगे। मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय के नेतृत्व में 51 लाख पौधे लगाने के संकल्प की प्रशंसा की और उसमें प्रत्येक नागरिक को बढ़-चढकर हिस्सा लेने की अपील की। सांसद श्री शंकर लालवानी ने कहा कि इन्दौर विकास प्राधिकरण द्वारा विगत वर्ष उनके द्वारा किये गये वृक्षारोपण में से जीवित रहे पौधो की संख्या 100 प्रतिशत है। उन्होंने उन वृक्षों को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की एवं प्राधिकरण की इस दिशा में अच्छा कार्य किये जाने की प्रशंसा की।

असंक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए संजीवनी प्रिवेंटिव हेल्थ शिविर आयोजन का सिलसिला हुआ प्रारंभ

सिंह ने पहले शिविर का किया शुभारंभ

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने रेसीडेंसी एरिया स्थित सन्मति स्कूल परिसर में स्वास्थ्य विभाग एवं श्री अरविंदो मेडिकल कॉलेज के संयुक्त प्रयासों से आयोजित संजीवनी प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप कार्यक्रम का शुभारंभ आज दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ. शौजी जोसेफ, क्षेत्रीय संयुक्त संचालक डॉ. पूर्णिमा गडरिया, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एस. सैत्या और अरविंदो अस्पताल के डॉ. आदित्य चौरसिया विशेष रूप से उपस्थित थे। इस मौके पर संभागायुक्त श्री सिंह ने संजीवनी प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप शिविर का अवलोकन किया और सम्पूर्ण व्यवस्थाओं का जायजा लिया। शिविर में 1167 हितग्राहियों ने अपना पंजीयन करवाया। प्रमुख रुप से शिविर में 407 मरीजों की लिपड प्रोफाईल की गई। 110 लोगों का फाईब्रो स्केन किया गया। 65 लोगों का ईको, 67 यूएसजी, 59 मेमोग्राफी, 659 का जनरल मेडिसिन में उपचार किया गया, 76 हृदय रोगियों की जाँच की गई, 140 हड्?डी रोग से संबंधित जाँचे व उपचार किया एवं 51 दंतरोग से संबंधित जाँचे की गई। शिविर में आम लोगों के साथ-साथ बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारियों का भी स्वास्थ्य परीक्षण किया। यदि किसी कर्मचारी में स्वास्थ्य संबंधी कोई गंभीर समस्या पायी जाती है तो चिन्हित कर उसका समुचित उपचार किया जायेगा। संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि शिविर में आने वाले मरीजों की आधुनिक मशीनों से ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, सीबीसी, ईसीजी, फायब्रो स्केन, मेमोग्राफी, मोतियाबिंद, पेपस्मेयर आदि की निःशुल्क जाँच की गई।

जब मन में शांति होती है, तभी जीवन में शक्ति होती है...

दोस्तों, हम फ्लैट्स, रो हाउस, डुप्लेक्स या बंगलों में नहीं बल्कि अपने मन में रहते हैं। जी हाँ! हकीकत में हमारा असली घर हमारा मन ही है। जब तक वहाँ सुकून और शांति है, तब तक जीवन सुंदर है और अगर मन उलझन से भरा है, तो सब कुछ होते हुए भी जीवन संघर्ष बन जायेगा। यकीन ना हो तो जरा अपने आसपास नजर घुमा कर देख लीजियेगा, आपको महलों में अशांत और झुग्गी-झोपड़ी में खुशहाल लोग रहते मिल जाएँगे।

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)

ग्लोबल हेराल्ड

फिर भी जिंदगी हसीन है...

dreamsachieverspune@gmail.com

इसलिए ही तो माना जाता है कि हर हार या जीत, दुख या सुख, अशांति या शांति, उलझना या सुलझना आदि सब कुछ हमारे मन से शुरू होता है। एक बार प्रसिद्ध महिला टेनिस खिलाड़ी मार्टिना नवरातिलोवा से पूछा गया, इस उम्र में भी आप इतनी फिट और फोकस्ड रहते हुए इतना शानदार प्रदर्शन कैसे कर लेती हैं? उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, मेरे शरीर और टेनिस बॉल दोनों को ही नहीं पता है कि मेरी उम्र कितनी है। सुनने में मार्टिना की बात साधारण लग सकती है, लेकिन हक़ीक़त में इसमें जीवन की एक बहुत ही गहरी सच्चाई छुपी हुई है। जीवन के हर क्षेत्र में जीत या हार हमारे हमारे विचारों से तय होती है। इसलिए ही तो दोस्तों कहा जाता है, मन के हारे, हार है और मन के जीते, जीत। याने अगर आप जीवन में सफल होना चाहते हैं; अपने सपनों को हक़ीक़त में जीना चाहते हैं, तो आपको अपने मन को जीतना होगा। जिससे आप खुद को रोकने से खुद को रोक सकें। यह तभी संभव हो सकेगा जब आप अपने मन को अनावश्यक नकारात्मक भावों से बचा पायेंगे। आप स्वयं ही सोच कर देखिए अगर मन रूपी घर में गुस्से की गांठें डाली हों; उसमें जीवन के तमाम पछतावों को एक कोने में इकट्ठा करके रखा हुआ हो; जीवन के तमाम राज़ों को उसके नर्म कालीन के नीचे दबा रखा हो, उसके किचन में हर क्षण उम्मीदें उबल रही हों और उस मन रूपी घर में चिंताएँ चारों और बिखरी पड़ी हो; उसमें कोई याने सकारात्मकत ऊर्जा रह सकती है क्या? याद रखियेगा दोस्तों, हमारा प्रदर्शन, हमारी क्षमता नहीं, बल्कि हमारी आंतरिक शांति तय करती है। दूसरे शब्दों में कहूँ तो क्षमता में से मानसिक रुकावट को घटाने पर जो बचता है, वही हमारा प्रदर्शन होता है। इसलिए दोस्तों अगर आप वाक़ई शांत और संतुष्ट रहते हुए अपने जीवन में सफल होना चाहते हैं तो सबसे पहले अपने मन रूपी घर की सफ़ाई कीजिए और नकारात्मकता रूपी सारे कचरे को बाहर निकाल फेंकिए क्योंकि बाहर की दुनिया तभी सुंदर लगती है, जब अंदर की दुनिया शांत हो। इसलिए मैं हमेशा कहता हूँ, जब मन में शांति होती है, तभी जीवन में शक्ति होती है। कुछ महान लोग इस सच्चाई को समझते हैं कि मन की स्थिति ही जीवन की गुणवत्ता तय करती है। इसलिए वे सबसे पहले अपने मन को व्यवस्थित करते हैं। दोस्तों अगर आप भी अपने जीवन में ऊँचाइयों को छूना चाहते है तो सबसे पहले इस बात को स्वीकार लें कि शांति ही वो चाबी है, जो बंद किस्मत के ताले खोल सकती है। याद रखियेगा हमें इस जीवन को टुकड़ों में नहीं बल्कि पूरी आत्मा और विश्वास के साथ जीना है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंदूर का पौधा रोपा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व पर्यावरण दिवस पर उज्जैन में दताना एयर स्ट्रिप पर सिंदूर के पौधे का रोपण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पौधा रोपकर प्रदेशवासियों को मानव जीवन के लिए प्रकृति के संरक्षण का महत्वपूर्ण संदेश दिया। इस अवसर पर उज्जैन के प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा और जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

तीन नंबर की जंग में गोलू बनेंगे सेतु, हिन्दूवादी और भाजपा पार्षद के बीच झगड़े का मामला

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

हरसिद्धी से हटाई गई फूलमंडी के मल मामले में विवाद बढ़ता दिख रहा एक है। चारों तरफ हंगामा होने के बाद अब इलाके के विधायक गोलू शुक्ला भी इस मामले को निपटाने की कोशिश में लगे है। दोनों ही उनसे जुड़े हुए है। उल्लेखनीय है कि हरसिद्धि में चल रही फूल मंडी को लेकर रहवासी और पार्षद के बीच विवाद चला आ रहा है। हिन्दू संगठन के अनिल पाटील ने इस मामले को लेकर नाराजगी जताई थी और ऊपर तक शिकायत की थी कि इस मंडी के कारण लोगों को दिक्कत और परेशानी भी हो रही है।

17 साल से भाजपा का पार्षद होने के बावजूद भी इस मंडी को कोई हटा नहीं पाया,जबकि ये इलाके के हिसाब से ठीक नहीं है। यहां पर कई तरह के लोग सामने आकर बैठते है और कारोबार करते है। इस शिकायत के बाद तीन दिन पहले नगर निगम की टीम जब दुकानों को सील करने पहुंची तो पार्षद रुपाली पेंडारकर के पिता अरूण पेंढारकर वहां आ गए थे और उन्होंने इस कार्रवाई को लेकर एतराज जताया था। उन्होंने कार्रवाई को लेकर नगर निगम के अधिकारियों को भी कटघरे में खड़ा कर दिया था, लेकिन किसी की सुनवाई नहीं हुई थी और नतीजा यह निकला कि दुकानों को सील कर दिया गया था। इस दौरान हिन्दू संगठन के अनिल पाटील और अरुण पेंढारकर के बीच विवाद हो गया था। दोनों के बीच झगड़ा होने के बाद पंढरीनाथ थाने मामला पहुंच गया था। अरुण पेंढारकर की रिपोर्ट पर अनिल पाटील के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। जबकि पाटील की रिपोर्ट पर पार्षद रुपाली पेंढारकर और उसके पिता के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया था।

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

शुक्रवार 6 जून, 2025

महानगर इंदौर

3

मासिक सैनिक सम्मेलन आज

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय इंदौर द्वारा मासिक सैनिक सम्मेलन का आयोजन 06 जून 2025 को प्रातः 11.30 बजे से जिला सैनिक कल्याण कार्यालय जयरामपुर कालोनी, इंदौर के सभाकक्ष में किया जाएगा। सम्मेलन की अध्यक्षता कमांडर नगेश चंद्र मालवीय (से.नि.), जिला सैनिक कल्याण अधिकारी, इंदौर करेंगे। सम्मेलन के दौरान पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों की समस्याओं का उचित समाधान एवं शासन/केन्द्रीय सैनिक बोर्ड द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

ईश्वर के लिए आंतरिक प्रेम

श्री श्री आनन्दमूर्ति

ग्लोबल हेराल्ड

पहला व्यक्तित्व हमेशा सच्चे विचारों को मन में छुपा कर रखता है। दूसरा व्यक्तित्व कभी प्रकट नहीं करता कि वह वास्तव में क्या सोचता है बल्कि कुछ और कहता है। यानी बोले गए शब्द वास्तविक विचारों को प्रकट नहीं करते हैं। तीसरा व्यक्तित्व एक निश्चित तरीके से सोचता है, कुछ पूरी तरह से अलग कहता है और कुछ और करता है। ये तीनों व्यक्तित्व लगातार एक दूसरे के खिलाफ लड़ते रहते हैं।

दूसरा व्यक्तित्व संकल्प करता है कि पहले व्यक्तित्व के बारे में जो कुछ भी सोचता है, उसे कभी भी प्रकट न करें, क्योंकि तब सभी को व्यक्ति की वास्तविक प्रकृति का पता चल जाएगा। पहली और दूसरी शख्सियत के बीच लगातार संघर्ष होता रहता है क्योंकि दूसरा तय करता है कि क्या कहा जाए और क्या छिपाया जाए। यह व्यक्तित्व का संघर्ष है। तीसरा व्यक्तित्व क्या कहता है? मैं केवल कुछ चीजें करूँगा जो मैंने कहा था कि मैं करूँगा। मैंने जिन अन्य चीजों का वादा किया था, उनमें से अधिकांश के ठीक विपरीत मैं करूंगा, और बाकी के लिए, मैं उनके बारे में बिल्कुल भी चिंता नहीं करूंगा। यह तीसरे व्यक्तित्व की मानसिकता है। हां, मैंने निश्चित रूप से सड़क बनाने के लिए अपना वचन दिया था। मैं इसे जल्द से जल्द उचित अवसर पर करूँगा। लेकिन जब वह मौका आखिरकार आता है तो वह कभी अपनी बात नहीं रखते। तीसरे व्यक्तित्व ने पहले ही संकल्प कर लिया है, जब भी मैं किसी से मिलता हूं तो कहता हूं कि मैं कोशिश कर रहा हूं। एक कहानी है कि एक बार एक गरीब आदमी एक निश्चित स्थान पर मर गया। स्थानीय निवासियों ने अपने चुने हुए प्रतिनिधि को घेर लिया और चिल्लाया, आप हमारे प्रतिनिधि हैं। इस गरीब आदमी के अंतिम संस्कार के बारे में कुछ करो। दरअसल, जिन लोगों ने उसकी पैरवी की, उनमें व्यक्तिगत जिम्मेदारी का भाव ही खो गया था, नहीं तो वे खुद ही सारे जरूरी इंतजाम करने के लिए मुट्ठी भर लोगों को चुन लेते। वैसे भी, उन्होंने ऐसा नहीं किया और इसके बजाय प्रतिनिधि से कहा, अंतिम संस्कार का आयोजन करना आपका कर्तव्य है। प्रतिनिधि ने उत्तर दिया, मैं अभी संसद जा रहा हूँ। वहाँ पहुँचने पर मैं एक प्रस्ताव रखूँगा। मुझे यकीन है कि एक प्रस्ताव बहुत जल्दी पारित हो जाएगा ताकि अधिक से अधिक दो या तीन महीने के भीतर उस गरीब का अंतिम संस्कार किया जा सके। तीसरी शख्सियत लगातार इस तरह लोगों को बेवकूफ बना रही है।. इन तीन व्यक्तित्वों के बीच एक तीव्र रस्साकशी चल रही है जो संबंधित व्यक्तियों के लिए अत्यधिक हानिकारक है। वे अपनी याददाश्त, मन की सरलता और आत्मविश्वास खो देते हैं और अंततः खुद को कूड़ेदान में फेंका हुआ पाते हैं। वे लोग जो उन्हें फूलों की माला पहनाते थे, अंततः उन पर विश्वास खो देते हैं, और यह कहते हुए उनकी खोज करते हैं, कहाँ गए वे दुष्ट ? हमने उनके लिए जूतों की एक माला तैयार की है। यही भाग्य उन्हें भुगतना पड़ रहा है। भक्ति मार्ग में यह बातें कभी नहीं होतीं। मन कोमल, कोमल और कोमल हो जाता है। तीसरी श्रेणी के व्यक्ति के मन को व्याकुल करने वाले दोहरेपन और झगड़े एक भक्त के मन में न के बराबर होते हैं। दूसरे प्रकार के लोग फिर से अलग हैं। हालाँकि वे यह नहीं कहते कि वे क्या सोचते हैं, वे क्या कहते हैं और वे क्या करते हैं। यानी उनकी बातों और हरकतों में भले ही कोई अंतर न हो, लेकिन वे अपने विचारों को गुप्त रखते हैं। इस कहावत का बदला हुआ रूप यह है कि, यदि आप चाहें तो इसे सैकड़ों बार कहें, लेकिन इसे कभी भी लिखित रूप में न लिखें। हालांकि दूसरे समूह के लोगों के विचारों और शब्दों में कोई समानता नहीं है, लेकिन उनके शब्दों और कार्यों के बीच घनिष्ठ संबंध है। वे अपने कार्यों से अपने शब्दों का सम्मान करते हैं। उनमें से अधिकांश जिन्हें हमने महापुरुष,महान व्यक्ति कहा है, इसी श्रेणी में आते हैं। वे अपने मन, अपने आंतरिक विचारों को प्रकट नहीं करते हैं, लेकिन वे जो कहते हैं, करते हैं। इस सरल कार्य के लिए उनकी प्रशंसा की जाती है। हालांकि, जो वास्तव में महान लोग हैं, वे इस समूह से संबंधित नहीं हैं। ईमानदार और ईमानदार होने के नाते, वे वही कहते और करते हैं जो वे सोचते हैं क्योंकि उनके पास स्वच्छ, स्पष्ट और शुद्ध दिमाग है जो संघर्ष से विचलित नहीं होता है। जिनके पास ईश्वरप्रेम है - ईश्वर के लिए आंतरिक प्रेम - उनके पथ से कंकड़ और पत्थरों को हटा दें, इसे चिकना, साफ और स्वच्छ बनाएं।

प्रस्तुतिः दिव्यचेतनानन्द अवधूत

पचमढ़ी में सुशासन का पाठ सीखेंगे माननीय

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

भाजपा विधायकों-सांसदों को पहले दिन प्रशिक्षण देंगे अमित शाह

राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर विवादित व बड़?बोले बयानों से किरकिरी के बाद भाजपा संगठन ने अपने नेताओं को नसीहत व प्रशिक्षण देने का फैसला किया है। पार्टी अपने सांसदों और विधायकों को पार्टी की रीति-नीति के अनुरूप संवाद शैली और आचरण का प्रशिक्षण देने जा रही है।

इसके लिए 14, 15 और 16 जून को पचमढ़ी के हिल स्टेशन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर प्रस्तावित है। पहले दिन 14 जून को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ट्रेनिंग देंगे। समापन पर 16 जून को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा विधायकों और सांसदों को ट्रेनिंग देंगे। पचमढ़ी में तीन दिनों तक चलने वाले इस ट्रेनिंग कैंप में मप्र भाजपा के सभी विधायक, मंत्री और लोकसभा, राज्यसभा के सांसद शामिल होंगे। विधानसभा और लोकसभा चुनाव के बाद नवनिर्वाचित विधायकों, सांसदों को भाजपा 5 साल में एक बार प्रशिक्षण देने का कार्यक्रम आयोजित करती है। यह ट्रेनिंग कैंप इस साल की शुरूआत में होना था, लेकिन संगठन चुनाव के चलते इसे आगे बढ़ा दिया गया था। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 14 जून को तीन दिवसीय विधायक-सांसदों की ट्रेनिंग की शुरूआत करेंगे। साथ ही जनप्रतिनिधियों को टिप्स देंगे कि वे आने वाले दिनों में किस तरह से काम करें और क्या आचार संहिता रखें। ट्रेनिंग सत्र का समापन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा कर सकते हैं। शाह का कार्यक्रम तय हो गया है, लेकिन नड्डा की ओर से अभी मंजूरी नहीं मिली। पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और संगठन महामंत्री हितानंद ट्रेनिंग में पूरे समय रहेंगे। भाजपा के मुताबिक पिछली सरकार के विधायकों की दो दिनी ट्रेनिंग 4 वर्ष पहले उज्जैन में हुई थी।इस बार पचमढ़ी को चुना गया है। इसमें राम-भाऊ महत्गी प्रबोधिनी संस्थान के लोग भी शामिल होंगे।

प्रशिक्षण का एक कारण ये भी

सूत्रों के अनुसार, प्रशिक्षण में यह भी स्पष्ट किया जाएगा कि किसी भी संवेदनशील विषय पर अनधिकृत टिप्पणी से पार्टी की छवि को नुकसान हो सकता है। इस संदर्भ में नेताओं को गाइडलाइन से हटकर बयान न दें की सख्त नसीहत दी जाएगी। दरअसल, 11 मई को जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान दिया। इसके बाद डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा, सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, विधायक नरेंद्र प्रजापति के बयानों से भी विवाद बढ़ा। ऐसे में लगातार आ रहे विवादित बयानों के बाद पार्टी अब सभी विधायकों और सांसदों को प्रशिक्षण देने जा रही है। शिविर में अमित शाह गुड गवर्जेंस यानी सुशासन पर अपना दृष्टिकोण साझा करेंगे। भाजपा की छवि एक जवाबदेह और विकासोन्मुखी सरकार के रूप में बनी रहे, इसके लिए जनप्रतिनिधियों को प्रशासनिक दक्षता और सेवा भावना का मार्गदर्शन दिया जाएगा। कुछ नेता बार-बार अपनी बयानबाजी से पार्टी को असहज स्थिति में डाल देते हैं। ऐसे नेताओं को इस प्रशिक्षण शिविर में सख्त संदेश देने की योजना है। पार्टी उन्हें स्पष्ट करेगी कि किसी भी तरह की अनावश्यक बयानबाजी न केवल संगठन की छवि खराब करती है, बल्कि अनुशासनहीनता के अंतर्गत आती है।

प्रशिक्षण में यह होगा

तीन दिवसीय ट्रेनिंग कैंप में सांसदों विधायकों को विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिए जाएंगे। इस दौरान प्रैक्टिकल सेशन हो गा। प्रैक्टिकल सेशन में विधायक-सांसदों की सोशल मीडिया एक्टिविटी, पॉड कॉस्ट, फॉलोअर, इंफ्लूएंसर आदि का ओरिएंटेशन होगा। वहीं फ्लैगशिप स्कीम के बारे में जानकारी दी जाएगी। फ्लैगशिप स्कीम के तहत केंद्र और राज्य सरकार की वो योजनाएं, जिनसे ज्यादा हितग्राही या लाभलेने वाले जुड़े हैं, वह क्या हैं, उन्हें समझना और जनता तक ले जाने के बारे में बताया जाएगा। वर्किंग कल्चर के तहत भाजपा की रीति-नीति और चलन पर इसमें बात होगी। कार्यपद्धति और अनुशासनहीनता जैसे काम बताए जाएंगे। वहीं भाजपा का इतिहास भी बताया जाएगा। भाजपा की शुरूआत, उससे पहले संगठन और बाद में उसकी वैचारिक यात्रा कैसे आगे बढ़ी। कौन लोग थे जिन्होंने यह काम किया, इसकी जानकारी दी जाएगी। वहीं इकोनॉमी 2047 के बारे में बताया जाएगा। इसके तहत केंद्र और मप्र सरकार के 2047 के विजन और रोडमैप के बारे में केंद्र और प्रदेश के नेता विधायकों को विस्तृत जानकारी देंगे।

संगठन और सत्ता में समन्वय का पाठ

इस प्रशिक्षण शिविर का मूल उद्देश्य जनप्रतिनिधियों को सत्ता और संगठन के चीच बेहतर समन्वय स्थापित करने, जनता से जुडने और पारदर्शिता से काम करने के गुट सिखाना है। शिविर में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री चीएल सतीष समेत कुछ अन्य केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ पदाधिकारी भी सत्रों को संबोधित करेंगे। इस प्रयास के जरिए पार्टी जनप्रतिनिधियों को लगातार प्रशिक्षित करने की परंपरा को और मजबूत करना चाहती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फरवरी में भोपाल दौरे पर आए थे, जहा उन्होंने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में पार्टी के सासदों और विधायकों से दो घटि संवाद किया था। उन्होंने ज सिर्फ सुझाव दिए, बल्कि सवाल-जवाब के जरिए फील्ड से जुड़े अनुभवों को साझा किया। उन्होंने जनप्रतिनिधियों को जमीन से जुड़े रहने, जनता की सेवा में तत्पर रहने और विकास कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कहीं थीं।

इंदौर में 8 माह की बच्ची की हत्या, मां निकली कातिल, सास की नाराजगी बनी वजह

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के द्वारकापुरी क्षेत्र के प्रजापत नगर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। एक 8 माह की बच्ची मायरा का शव घर के आंगन में बनी हौज (पानी की टंकी) में मिला। बुधवार को देर रात तक पुलिस पूछताछ करती रही और सख्ती बरतने पर मां वर्षा चौहान ने चौंकाने वाला खुलासा किया। वर्षा ने स्वीकार किया कि उसने ही अपनी बच्ची की हत्या की है। उसका कहना था कि उसकी सास बच्ची को गोद में नहीं लेने देती थी, जिससे नाराज होकर उसने यह कदम उठाया। वर्षा ने बच्ची को पानी में डुबोकर मार डाला, हौज का ढक्कन बंद किया और उस पर पानी की मोटर रख दी ताकि किसी को शक न हो। इसके बाद खुद ही शोर मचाकर बच्ची के गायब होने का नाटक किया।

पुलिस की जांच में यह भी सामने आया कि वर्षा की मानसिक स्थिति लंबे समय से ठीक नहीं है। परिजनों ने बताया कि एक सप्ताह पहले भी वर्षा ने अपनी बच्ची मायरा को गुस्से में जमीन पर पटक दिया था। वह इस बात से बेहद नाराज थी कि उसकी सास ने बच्ची को गोद में लेने से मना कर दिया था। इस घटना ने वर्षा के मानसिक असंतुलन और लगातार बढ़ते गुस्से को उजागर कर दिया। पुलिस अब उसके मानसिक उपचार से जुड़ी जानकारी भी जुटा रही है।

मायरा

मां के पास ही थी बच्ची, फिर हुआ हादसा, आंगन की टंकी में मिला मासूम का शव

बुधवार सुबह मायरा अपनी मां वर्षा के पास ही बिस्तर पर थी, जब उसके पिता अविनाश बाथरूम में थे। कुछ देर बाद वर्षा ने अचानक चिल्लाना शुरू कर दिया कि बच्ची गायब हो गई है। यह सुनकर घरवालों और पड़ोसियों ने पूरे इलाके में बच्ची की तलाश शुरू की। जब आंगन में बनी हौज का ढक्कन हटाया गया तो सबके होश उड़ गए। अंदर मायरा का शव पड़ा था। इस घटना ने पूरे मोहल्ले को स्तब्ध कर दिया है और पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

पहली शादी भी टूटी बीमारी और गुस्से के कारण, दूसरे पति से भी रिश्तों में तनाव

वर्षा की यह दूसरी शादी थी। उसकी पहली शादी बड़ोद गांव में हुई थी, जहां से उसे एक ढाई साल की बेटी भी है। परिजनों ने बताया कि वर्षा को भूलने की बीमारी है और उसे गुस्सा बहुत जल्दी आता है। इसी कारण पहले पति से उसके लगातार झगड़े होते रहे और अंततः उसके ससुराल वालों ने रिश्ता तोड़ लिया। इसके बाद उसकी शादी अविनाश चौहान से हुई, जो रेडीमेड कपड़ों का व्यवसाय करते हैं। लेकिन मायरा के जन्म के बाद वर्षा और उसकी सास के बीच मतभेद और गहरे हो गए। वर्षा अक्सर गुस्से में घर का सामान फेंक देती थी, जिससे पड़ोसी भी परेशान रहते थे।

स्कूटर की लोकेशन के आधार पर दो स्थानों पर सोनम की खोज डेढ़ सौ मीटर खाई में भी तलाश

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

राजा का शव मिलने के तीन दिन बाद भी सोनम का पता नहीं चला है। उसकी खोज वाइसावडोंग, एडी व्यू पाइंट पर हो रही है,क्योंकि राजा और सोनम द्वारा लिए गए किराए के स्कूटर के जीपीएस डेटा से पता चलता है कि वाहन वाइसावडोंग पार्किंग स्थल के आसपास 18 मिनट तक घूमता रहा, जिसमें एडी व्यू पॉइंट के पास दो मिनट का ठहराव था। इस कारण अधिकारियों ने तलाशी प्रयासों को इन दो स्थानों पर केंद्रित किया।

खराब मौसम की वजह से सोनम राघुवंशी की तलाश में जुटी टीम को गुरुवार भी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। दो सप्ताह पहले लापता सोनम और उसके पति राजा को आखिरी बार 23 मई को देखा गया था और दोपहर में परिजनों ने उसने बात की थी। सोनम की खोज के लिए एनडीआरएफ की टीम ने वाइसावडोंग और व्यू पॉइंट पर रैपलिंग उपकरण लगाए है। एक सदस्य लगभग डेढ़ सौ मीटर गहराई में उतरे, लेकिन खराब दृश्यता और फिसलन भरी चट्टानों के कारण ऑपरेशन रोकना पड़ा। वहां भी सोनम का पता नहीं चला। एनडीआरएफ के अफसरों का कहना है कि वाइसावडोंग का खड़ा पहाड़ी क्षेत्र भारत में हमने कहीं नहीं देखा है। घने जंगल, कम दृश्यता और फिसलन भरी चट्टानें इसे बहुत मुश्किल बनाती हैं। यहां ड्रोन भी प्रभावी ढंग से उड़ान नहीं भर पा रहे है। बार-बार मौसम खराब होने के कारण अभियान प्रभावित हो रहा है। राजा के भाई विपिन रघुवंशी ने कहा- ऐसा लग रहा कि पहले राजा के साथ लूटपाट की गई और फिर उसकी हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा कि जिस जगह यह सब हुआ है, वहां पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। उन्होंने आशंका जताते हुए कहा कि भाई की हत्या के बाद उसकी पत्नी सोनम को कुछ लोग बांग्लादेश उठाकर ले जा सकते हैं। वहां, इससे पहले भी कई कपल लापता हुए हैं।

राजसात खाद्यान सामग्री की पाँच स्थानों पर होगी नीलामी

इंदौर। जिले में आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के अंतर्गत राजसात खाद्यान्न सामग्री चावल, गेहूं, बाजरा एवं अन्य की नीलामी की जायेगी। यह नीलामी पाँच स्थानों पर होगी। पहली नीलामी 13 जून को तथा अंतिम नीलामी 17 जून को होगी। अपर कलेक्टर एवं जिला आपूर्ति नियंत्रक डॉ. रिंकेश व्यास ने बताया कि राजसात की गई खाद्यान सामग्री की नीलामी 13 जून को एलआरटी बड़ा गणपति पर, 16 जून को कृषि उपज मंडी डोंगरगाँव एवं ग्राम टीही महू में तथा 17 जून को लक्ष्य वेयर हाउस ग्राम पालिया और चंद्रावतीगंज स्थित श्रीनाथ वेयर हाउस तहसील सांवेर में की जायेगी। नीलामी के संबंध में आवश्यक जानकारियां कलेक्टर कार्यालय के कक्ष क्रमांक 221 मोती तबेला में स्थित खाद्य कार्यालय से कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर स्टेट प्रेस क्लब म.प्र. के संवाद कार्यक्रम में हृदयेश जोशी

लोगों को बचाए बिना नहीं बच सकता पर्यावरण

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

यदि आप पर्यावरण बचाने की बात करते हैं तो आप अर्थव्यवस्था भी बचाते हैं। यदि जन बचते हैं तो ही जंगल बचेगें और जंगल बचेगें तो शेर भी बचेगें यह ही प्रकृति का चक्र है और नियम। सवा सौ साल पहले जितनी बड़ी दुनिया की आबादी थी उतनी आज भारत की आबादी है। तकरीबन 140 करोड़। धरती पर अब सात से आठ गुना अधिक भार है। सबसे बड़ी चिंता आबादी नहीं है, अपितु बदलती हुई लाइफ स्टाइल है।

यह विचार विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के संवाद कार्यक्रम में प्रसिद्ध लेखक, शोधार्थी एवं पत्रकार हृदयेश जोशी ने व्यक्त किए। श्री जोशी ने कहा कि आज की आधुनिक लाइफ स्टाइल में जैसे डिजिटल लाइफ स्टाइल, लग्जरी लाइफ स्टाइल, ट्रेवलिंग के तौर-तरीके, खाने और जीवन जीने की आदतें और सुख-सुविधाएं सभी शामिल हैं। हम हर हाथ से, हर बात से एनर्जी अपव्यय बढ़ा रहे हैं। जैसे इलेक्ट्रिकल कार-दुपहिया वाहन जिनको हम ग्रीन व्हीकल मानते हैं, पर इसकी रिचार्जिंग के लिए जिस बिजली का उपयोग हो रहा है, वह कोयले को जलाकर पैदा हो रही है। या फिर जेनरेटर सेट से बिजली पैदा कर रहे हैं। तो बात घूम-फिरकर वही हो गई। ग्रीन एनर्जी के लिए आवश्यकता है बिजली पैदा करने का तरीका भी ग्रीन हो। उन्होंने कहा कि नदियाँ भले ही ग्लेशियर से निकलती हैं लेकिन उन्हें ताकत तो जंगलों से मिलती है। दूधतौली गाँव से निकलने वाली रामगंगा नदी, जंगलों से निकलती है। जंगल जलधाराओं को समेटते हैं और धीरे-धीरे पानी छोड़ते हैं। मध्यप्रदेश के अमरकंटक से निकलने वाली नर्मदाजी के साथ भी यही कहानी है। जंगलों से इन्हें जल मिलता है। नदी में कई छोटी नदियाँ आकर मिलती हैं। हमें नदियों को प्रदुषण से बचाना है। और बम्पर टू बम्पर बाँध बनाने से भला क्या फायदा होगा? जोशी ने बताया कि हमें अपने आस-पास के पोखरों, तालाबों, नदियों और जल स्त्रोतों का संरक्षण करना चाहिए। वेटलैंड्स बेहद जरूरी है। भरतपुर राजस्थान में किस तरीके से माइग्रेटरी वर्ड्स आते हैं। इंदौर के सिरपुर तालाब में भी यही नजारा देखने को मिलता है। लेकिन वेटलैंड को हम वेस्टलैंड मान लेते हैं, मतलब अनुपयोगी। मरुस्थल, ग्रास लैंड्स, वेटलैंड्स, माउन्टेन्स सब इकोसिस्टम का हिस्सा है और इनकी पर्यावरण में अपनी-अपनी महत्वपूर्ण भूमिका है। जोशी ने एक विस्तारित प्रेजेंटेशन के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, संरचना निर्माण, जीवन शैली, कृषि और आने वाले भविष्य को लेकर उदाहरण सहित जानकारी दी। उन्होंने बढ़ते वाहन और प्रदुषण के बारे में कहा कि मास रैपिड ट्रांसपोर्ट ही सोल्यूशन है। हमने देखा है कि, शहरों और पर्यटन स्थलों पर कारों की भीड़ हो जाती है। आजकल लोग एक स्थान से दूसरे स्थान तक अपनी ही कार ले जाते हैं। सोचिये कितने कार्बन फुटप्रिंट्स होते हैं। ऐसा नहीं है कि लोग पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग नहीं करेंगे। हमे लास्ट माइल कनेक्टिविटी देनी होगी। दिल्ली जैसे शहरों में जिस तरीके से मेट्रो का उपयोग लोग सहजता और सरलता से कर रहे हैं यही भविष्य का ट्रांसपोर्ट है। संवाद कार्यक्रम में कुमार सिद्धार्थ, डॉ. जयश्री सिक्का, संजय पटेल, राजेन्द्र कोपरगांवकर, राकेश द्विवेदी, अभिषेक सिंह सिसोदिया, दीपक माहेश्वरी और राजदीप मल्होत्रा ने सम-सामयिक मुद्दों पर प्रश्न पूछे। संवाद कार्यक्रम के प्रारंभ में हृदयेश जोशी का स्वागत वरिष्ठ पर्यावरणविद ओपी जोशी, दिलीप वाघेला, स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल, सेवा सुरभि के समन्वयक ओम नरेड़ा कुमार सिद्धार्थ, रामेश्वर गुप्ता, रचना जौहरी , सोनाली यादव, शीतल राय, स्वाति मेहता ने किया। कार्टूनिस्ट गोविन्द लाहोटी कुमार ने कैरिकेचर स्मृति स्वरूप भेंट किया। कार्यक्रम का संचालन पंकज क्षीरसागर ने और यशवर्धन सिंह ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर हृदयेश जोशी ने एतिहासिक गांधी हॉल परिसर में वृक्षारोपण किया एवं स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के हरियाली जागरूकता पोस्टर का विमोचन भी किया।

नीट यूजी रिजल्ट पर 9 जून को सुनवाई होगी, 2000 छात्रों का भविष्य अधर में

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

नीट यूजी परीक्षा के दौरान बिजली गुल होने के मामले में गुरुवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। हालांकि इस दिन अदालत में ज्यादा बहस नहीं हो सकी। कोर्ट ने अब इस मामले की अगली सुनवाई की तारीख सोमवार, 9 जून तय की है। इस दिन दोनों पक्षों के बीच अंतिम बहस होगी और उसी दिन निर्णय आने की संभावना भी जताई जा रही है। परीक्षा दोबारा कराने का मौका मिलेगा या नहीं, इसका फैसला इसी अंतिम सुनवाई में होगा। इस निर्णय पर 2000 से अधिक प्रभावित स्टूडेंट्स की निगाहें टिकी हुई हैं।

याचिकाकर्ता की मांग: रिजल्ट टालने और सीसीटीवी फुटेज देने की गुहार- इससे पहले याचिकाकर्ता विद्यार्थियों की ओर से अधिवक्ता मृदुल भटनागर ने हाईकोर्ट में एक आवेदन दायर किया था। इसमें नीट यूजी के परिणाम की तिथि आगे बढ़ाने और परीक्षा के दौरान तेज आंधी और बारिश से बिजली गुल होने की स्थिति को स्पष्ट करने हेतु सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराने की मांग की गई थी। 29 मई को इन बिंदुओं पर बहस होनी थी, लेकिन तकनीकी कारणों के चलते बहस नहीं हो सकी थी। इन मांगों को लेकर छात्र पक्ष ने अदालत से समय की मांग भी की थी।

26 मई को हुई थी महत्वपूर्ण सुनवाई, एनटीए ने मांगा था समय

इससे पहले 26 मई को हुई सुनवाई में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता वर्चुअली उपस्थित हुए थे। उन्होंने एनटीए का पक्ष रखा, वहीं याचिकाकताओं की ओर से अधिवक्ता मृदुल भटनागर ने पुनः जवाब (रिजाइंडर) पेश किया था। इसके बाद एनटीए ने अदालत से कुछ और समय की मांग की थी। एनटीए ने इस बीच एक जांच समिति गठित करने की बात भी कही थी और उस समिति की रिपोर्ट अदालत में पेश की थी। सुनवाई शुरू होने से पहले ही भारत सरकार के सॉलिसिटर ने वर्चुअल रूप से उपस्थित होकर कोर्ट से समय मांगा था।

एनटीए का जवाबः परीक्षा पर केंद्रों की संख्या को लेकर बदलाव

नीट यूजी का परिणाम 14 जून को आने की संभावना है। पहले दाखिल किए गए जवाब में एनटीए ने बताया था कि इंदौर के 24 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा प्रभावित हुई है। लेकिन 26 मई को दिए गए नए उत्तर में कहा गया कि इंदौर के 18 और उज्जैन के 6 केंद्रों पर परीक्षा प्रभावित हुई थी। इन केंद्रों पर कुल मिलाकर 2 हजार से अधिक छात्रों ने परीक्षा दी थी। इस वर्ष इंदौर से कुल 27 हजार विद्यार्थियों ने नीट यूजी परीक्षा में भाग लिया, जिनके लिए इंदौर में कुल 49 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

गलत दिशा से आ रही कार ने सड़क किनारे खड़े लोगों को मारी टक्कर, हादसे में दो की मौत

सागर ■

सागर जिले में सड़क दुर्घटनाओं से आए दिन लोग जान गंवा रहे हैं और इन सड़क दुर्घटनाओं में अधिकतर मामलों में वाहन चालकों की लापरवाही सामने आती है। जिले में अब सड़कों के किनारे पटरियों पर चलना भी खतरनाक हो चला है। लोग पटरियों पर भी तेज रफ्तार वाहन चालकों का शिकार बन काल के गाल में समा रहे हैं। ऐसा ही हादसा राहतगढ़ थाना इलाके में सामने आया। हादसे में दो लोगों की जान चली गई। वही एक गंभीर घायल है, जिसे जिला आस्पताल सागर रेफर किया गया। घटना नेशनल हाइवे 142 राहतगढ़ विदिशा रोड उत्तम फैक्ट्री के सामने के सामने की है, जहां पर तेज रफ्तार बुलेरो कार क्रमांक स्र167415 विदिशा तरफ से आ रही थी, जिसने रांग साइड आकर एक के बाद एक सड़क के किनारे खड़ी तीन बाइकों और एक ट्रैक्टर को टक्कर मार दी। बाइकों के पास खड़े लोग इसकी चपेट में आ गए। हादसे में दो लोग रघुवीर राय और हेमंत कुशवाहा ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं दो अन्य घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दोपहर के समय विदिशा की तरफ से तेज रफ्तार में बोलेरो गाड़ी आई और धड़धड़ाते हुए वाहनों में टक्कर मारती हुई सड़क किनारे खड़े तीन लोगों को अपनी चपेट में ले लिया, जब तक लोग कुछ समझ पाते तब तक यह हादसा घटित हो गया।

सड़क हादसा

हादसे के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई और लोगों ने इसकी सूचना राहतगढ़ पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सिविल आस्पताल लाया गया,जहां से गंभीर घायल रामगोपाल कुशवाहा को प्राथमिक इलाज के बाद सागर रेफर किया गया है।

हमीदिया अस्पताल के विशेषज्ञ मरीजों को फोन पर देंगे परामर्श

भोपाल ■

अब छोटी बीमारियां होने पर मरीजों को राजधानी भोपाल के हमीदिया अस्पताल में लाइन लगने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्हें घर बैठे हमीदिया के विशेषज्ञ चिकित्सकों का परामर्श फोन पर मिल पाएगा। हमीदिया में टेलीमेडिसिन सेंटर शुरू किया गया है। इस केंद्र से मरीजों को घर बैठे विशेषज्ञ चिकित्सकों का परामर्श मिल पाएगा। टेलीमेडिसिन सेवा से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच बढ़ेगी। इस नवाचार से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के मरीजों को विशेषज्ञों द्वारा बेहतर इलाज एवं परामर्श प्राप्त होगा। पहले चरण में हमीदिया अस्पताल के तीन विभागों को 43 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से जोड़ा गया है।

जाने कैसे मिलेगी यह सुविधा

1- डॉक्टरों की एक टीम हर दिन दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक इस टेलीमेडिसिन सेंटर में मौजूद रहेगी।

2- गांधी मेडिकल कॉलेज से तीन जिलों के 43 पी.एच.सी जोड़े गए हैं। इन पी.एच.सी से ही मरीज वीडियो कॉल पर मेडिकल कॉलेज के विशेषज्ञ डॉक्टरों से बात कर पाएंगे।

3- मरीज की जांच रिपोर्ट को स्कैनर से स्कैन करके तुरंत भोपाल के डॉक्टरों तक भेजा जाएगा, जो उनकी कंप्यूटर स्क्रीन पर दिखेगी।

4- डॉक्टर वीडियो कॉल पर ही मरीज की बीमारी देखकर एक क्लिक में दवा की पर्ची बना देंगे। यह पर्ची तुरंत पी.एच.सी पर प्रिंट होकर निकल जाएगी और मरीज को वहीं से दवाएं भी मिल जाएंगी।

5- अगर किसी मरीज की हालत ज्यादा गंभीर लगती है, तो विशेषज्ञ डॉक्टर तुरंत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़कर खास सलाह देंगे। अगर जरूरत पड़ी, तो मरीज को बड़े अस्पताल (जैसे गांधी मेडिकल कॉलेज) में भेजने की सलाह भी दी जाएगी।

एक मरीज पर चिकित्सकों में मिलेगा 50 रुपए

हर बार जब कोई विशेषज्ञ डॉक्टर टेली-कंसलटेशन देगा, तो उसे 50 रुपए मिलेंगे। इससे ज्यादा से ज्यादा डॉक्टर इसमें शामिल होंगे। पी.एच.सी पर बैठे डॉक्टर को, अगर वे महीने में 25 मरीजों को टेली-कंसलटेशन दिलवाते हैं, तो उन्हें 600 रुपए का अलग से मानदेय दिया जाएगा।

ई-संजीवनी पोर्टल प्रारंभ किया गया

टेलीमेडिसिन सेंटर का लोकार्पण करने पहुंचे डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं के टेलीफोन के माध्यम से विस्तार के लिए ई-संजीवनी पोर्टल प्रारंभ किया गया है। इस पोर्टल के द्वारा मरीज विशेषज्ञ चिकित्सकों से घर बैठे निःशुल्क परामर्श ले सकते है। टेलीमेडिसिन सेवा से मरीजों की रेफरल संख्या भी कम होगी, जिससे मेडिकल कॉलेजों और जिला चिकित्सालयों में दबाव कम होगा। मरीजों को घर बैठे विशेषज्ञों से उपचार सुविधा मिलेगी।

मध्य प्रदेश में जारी रहा बारिश का दौर, सबसे गर्म रहा खजुराहो, अगले 4 दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

भोपाल ■

मध्य प्रदेश में लगातार प्री-मानसून की बारिश का दौर जारी है। गुरुवार को दिनभर की स्थिति में रायसेन, उज्जैन में बारिश हुई शाम होते-होते राजधानी भोपाल में भी हल्की बारिश हुई दिन में बादल छाए रहे। प्रदेश के ज्यादातर शहरों का तापमान 40 डिग्री से नीचे रहा केलव खजुराहो का तापमान 40.2 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार अगले 4 दिन भी आंधी-बारिश जारी रहेगी है।

सबसे गर्म रहा खजुराहो

प्रदेश के प्रमुख स्थानों के अधिकतम तापमान को देखें तो भोपाल में 36.4 ग्वालियर में 38.4 इंदौर में 35.7 उज्जैन में 37 जबलपुर में 38.2 खजुराहो में 40.02 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज हुआ खजुराहो के अलावा प्रदेश के सभी जिलों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के नीचे ही रहा।

यह मौसम प्रणाली एक्टिव

एक पश्चिमी विक्षोभ पंजाब और उसके आसपास हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात के रूप में सक्रिय है। इससे एक द्रोणिका भी संबद्ध है। हरियाणा पर हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। इसके अतिरिक्त उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश पर भी हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक हवाओं के साथ नमी आने के कारण रुक-रुककर बारिश हो रही है। इस तरह की स्थिति अभी बनी रहने के आसार हैं। उधर 10 जून से मानसून के एक बार फिर सक्रिय होने की संभावना भी बन रही है।

413 शहरों में मकान की मंजूरी की झंझट खत्म, सरकार ने लागू किया नया प्लान

ऑनलाइन भुगतान विकल्प का उपयोग

भोपाल ■

मकान निर्माण में यूं तो अनेक दिक्कतें सामने आती हैं पर इसके लिए नगर निकायों से परमिशन लेने में सबसे ज्यादा परेशानी खड़ी होती है। रिश्वत देने के बाद भी कार्यालय के बार बार चक्कर काटने पड़ते हैं। मध्यप्रदेश में सरकार ने ये सभी झंझटें अब खत्म कर दी हैं। प्रदेश में पारदर्शी तरीके से भवन अनुज्ञा जारी करने के लिए ऑटोमेटेड बिल्डिंग प्लान सिस्टम यानि एबीपीएएस लागू कर दिया गया है। इसके अंतर्गत नगर पालिका या नगर निगम कार्यालय में उपस्थित हुए बिना ही भवन अनुज्ञा प्राप्त करने के

लिए आवेदन ऑनलाइन स्वीकृत करने की व्यवस्था की गई है। प्रदेश के 413 नगरीय निकायों में यह सिस्टम लागू किया गया है।

एबीपीएएस में भवन अनुज्ञा की पूरी प्रक्रिया बिना किसी मानव हस्तक्षेप के ऑटोमेटेड प्रोसेस से ही की जाती है। यहां तक कि बिल्डिंग इंस्पेक्टर द्वारा स्थल निरीक्षण के समय में भी मोबाइल ऐप द्वारा ही जानकारी प्राप्त कर सिस्टम में अपलोड कर दी जाती है। राज्य में अब तक करीब 3 लाख 50 हजार भवन अनुज्ञाएं ऑनलाइन माध्यम से स्वीकृत की गई हैं। यूनिफॉर्म और पारदर्शी तरीके से भवन अनुज्ञा जारी करने के लिए ऑटोमेटेड बिल्डिंग प्लान सिस्टम प्रदेश के नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग द्वारा तैयार किया गया है। ऑनलाइन कम्पांउडिंग प्रणाली में शुल्क भी सिस्टम के द्वारा ऑटोमेटिक जनरेट किया जाता है एवं ऑनलाइन भुगतान विकल्प का उपयोग किया जाता है। ऑटोमेटेड बिल्डिंग प्लान अप्रुवल सिस्टम में नागरिक स्वयं प्लिंथ प्रमाण पत्र, सेवा प्रमाण पत्र, कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र और अधिभोग प्रमाण पत्र ऑनलाइन प्रक्रिया द्वारा प्राप्त कर सकते हैं। इतना ही नहीं, भवन अनुज्ञा के लिए अनिवार्य दस्तावेजों की संख्या 16 से घटा कर 5 और साइट निरीक्षण चेक लिस्ट बिंदुओं को भी 43 से घटा कर 26 कर दिया गया है।

मकवाणा से मध्यप्रदेश संवर्ग के 09 प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों ने की सौजन्य भेंट

भोपाल ■

पीएचक्यू में आज डीजीपी कैलाश मकवाणा से मध्यप्रदेश संवर्ग के 09 प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों ने की सौजन्य भेंट। डीजीपी श्री मकवाणा ने सभी अधिकारियों से परिचय प्राप्त कर उनकी जिज्ञासाओं का किया समाधान। डीजीपी श्री मकवाणा ने कहा प्रशिक्षण तन्मयता से प्राप्त करें ताकि कार्यों का निष्पादन उत्कृष्टता से हो। बोले डीजीपी अपने अधीनस्थ अमले से भी सीखने में संकोच न करें और अहंकार से दूर रहते हुए नेतृत्व में विनम्रता रखें।

डीजीपी ने कहा कि, साहबपन दिखाने की आवश्यकता नहीं है,आपका चरित्र और कार्यशैली उत्तम होनी चाहिए,क्योंकि आप जनता की निगाह में रहते हैं। बोले डीजीपी कैलाश मकवाणा मीडिया आज अत्यंत सक्रिय है,अतः आपको हर समय सजग रहना होगा। डीजीपी ने कहा कि वे जनता से जीवंत संपर्क बनाए रखें,इससे उनकी आवश्यकताओं और अपेक्षाओं को समझने में सहायता मिलेगी, जिससे प्रशासनिक परिणाम और अधिक प्रभावी होंगे। डीजीपी श्री मकवाणा ने यह भी कहा कि सही कार्य प्रणाली अपनाने से आमजन के साथ सकारात्मक संबंध बनते हैं। डीजीपी ने कहा यह आईटी का युग है और इसके समुचित उपयोग से कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता लाई जा सकती है। डीजीपी ने पुलिस और अन्य विभागों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर भी जोर दिया, जिससे कानून-व्यवस्था को सुचारू रूप से बनाए रखा जा सके। डीजीपी श्री मकवाणा ने मुरैना, मंदसौर, बस्तर आदि जिलों में रहते हुए अपने अनुभव भी अधिकारियों से शेयर किए। इस अवसर पर आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी की कोर्स डायरेक्टर नेहा भारती, पीएसओ टू डीजीपी, एसओ टू डीजीपी सहित प्रशिक्षु आईएएस उपस्थित रहे। प्रशिक्षु आईएएस में आशीष कुमार, अनिकेत शांडिल्य,आकाश अग्रवाल, आशीष अशोक पाटिल, एस.एस. श्रीराम, कुलदीप पटेल, फरहान जामदार, ऋषिकेश ठाकरे एवं नवकिरण कौर रहीं उपस्थित।

ऑनलाइन सेंटरों पर बड़ा फजीर्वाड़ा, एमपी में बन रहे यूपी के लोगों के जन्म प्रमाणपत्र

तहसीलदार ने तुरंत एक्शन लिया

देवास ■

मध्यप्रदेश में जन्म प्रमाणपत्र बनाने में बड़ा फजीर्वाड़ा चल रहा है। यहां दूसरे राज्यों के लोगों के जन्म के प्रमाणपत्र भी धड़ल्ले से बनाए जा रहे हैं। प्रदेश के ऑनलाइन सेंटरों पर यह फजीर्वाड़ा किया जा रहा है।

देवास जिला मुख्यालय पर भी कई ऑनलाइन सेंटरों पर फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाए जा रहे हैं। इसकी शिकायत प्रशासन को की गई तो अधिकारी फौरन एक्टिव हुए। तहसीलदार ने शहर के ऑनलाइन सेंटरों पर कार्रवाई की। दो ऐसे सेंटर सील कर दिए गए हैं। प्रदेश के देवास जिले में जन्म प्रमाणपत्र बनाने में बड़ा फजीर्वाड़ा सामने आया है। हाल ये है कि ऑनलाइन सेंटरों पर देवास में जन्मे व्यक्तियों के उत्तरप्रदेश के जन्म प्रमाण पत्र बनाए जा रहे हैं। एक आवेदक की शिकायत पर तहसीलदार ने गुरुवार को ऐसे ऑनलाइन सेंटरों पर कार्रवाई की। बताया जा रहा है कि एक आधार सेंटर पर जन्म प्रमाण पत्र लेकर पहुंचने पर फर्जी प्रमाण पत्र बनाने की जानकारी सामने आई। इसकी प्रशासन को शिकायत की गई। इस पर तहसीलदार ने तुरंत एक्शन लिया। उन्होंने ऑनलाइन का काम करने वाली दुकानों का निरीक्षण किया। दो दुकानों पर गड़बड़ी सामने आई तो कम्प्यूटर जब्त कर लिया और पंचनामा बनाकर दोनों दुकानों को सील कर दिया।

आईएएस अफसर ने बकरीद से पहले दे दिया बड़ा बयान

भोपाल। बकरीद के दो दिन पहले और विश्व पर्यावरण दिवस पर मध्यप्रदेश कैडर के आईएएस अफसर और उपन्यासकार नियाज खान ने बड़ा बयान दे दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दो अलग-अलग ट्वीट किए हैं। जिसमें उन्होंने कहा कि धरती पर सिर्फ मनुष्य नहीं बल्कि सबकी रक्षा होनी चाहिए। लोक निर्माण विभाग ने उप सचिव के पद पर पदस्थ नियाज खान ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि पशुओं का खून बहाना कहीं से कहीं तक उचित नहीं है।

शर्मिष्ठा पनोली पर पुलिसिया कार्यवाही सही ! लेकिन न्यायिक कार्यवाही ?

प्रकरण के तथ्य

पश्चिम बंगाल की रहने वाली पुणे की कानून की छात्रा सोशल मीडिया और इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर 22 वर्षीय शर्मिष्ठा पनोली के इंस्टाग्राम में किये गये एक पोस्ट के विरूद्ध कोलकाता स्थित रशीदी फाउंडेशन के सह-संस्थापक वजाहत खान द्वारा कोलकाता के कई थाने व पुणे (महाराष्ट्र) में हुई दर्ज प्राथमिकी पर पश्चिम बंगाल की पुलिस ने हरियाणा के गुरुग्राम से गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने पोस्ट की आपत्तिजनक भाषा सामाजिक अशांति पैदा कर सकती है, के आधार पर जमानत देने से इनकार कर शर्मिष्ठा पनोली को 13 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। शर्मिष्ठा पनोली पर उक्त पोस्ट में अभद्र अपमानजनक भाषा का उपयोग करते हुए सांप्रदायिक नफरत फैलाने, इस्लाम व पैगंबर मोहम्मद के विरुद्ध आपत्तिजनक टिप्पणी से धार्मिक आस्था के अपमान का आरोप प्राथमिकी में लगाया गया। फलतः उनके विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 196(1)(ए) 299, 352 एवं 353 (1) (सी) के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर धारा 35 के अंतर्गत शर्मिष्ठा व उनके परिवार के सदस्यों को नोटिस देने के असफल प्रयासों के बाद फरार होने से कोर्ट से गिरफ्तारी वारंट जारी करवाने के पश्चात उन्हें गिरफ्तार किया गया। यद्यपि शर्मिष्ठा ने विवाद बढ़ने पर 24 घंटे के भीतर ही विवादित पोस्ट डिलीट करने के साथ-साथ माफी भी मांग ली थी। वजाहत खान, जिसने पनोली के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई थी, के विरूद्ध भी श्रीराम स्वाभिमान परिषद ने कोलकाता में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद से फरार है।

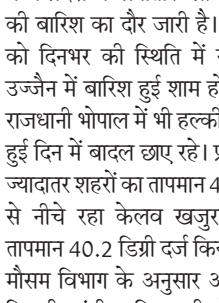

राजीव खण्डेलवाल
(लेखक)
ग्लोबल हेराल्ड

गिरफ्तारी पर मीडिया सीधा-सीधा विभाजित

शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी पर बरसात में भी फाग खेलने को तैयार मीडिया के स्पष्ट रूप से दो विपरीत रूख अपनाने से मीडिया सीधा-सीधा दो-फाड़ होकर परस्पर ही संग्राम मच गया है। शर्मिष्ठा पनोली ने जो कुछ पोस्ट में कहा, गिरफ्तारी का विरोध करने वाले भी उसे सही नहीं ठहरा रहे हैं। परंतु माफी के साथ पोस्ट डिलीट करने के बाद गिरफ्तारी को नाजायज ठहरा रहें हैं। अतः दर्ज एफआईआर को तो आप कम से कम गलत नहीं ठहरा सकते हैं। तब फिर एफआईआर के बाद पुलिस का यह प्रशासनिक व वैधानिक दायित्व है कि वह आगे कार्रवाई करें, जिसका ही परिणाम यह गिरफ्तारी है। शिकायत बिना हिरासत नहीं, रिवायत है तो सलामत नहीं। पुलिस का प्राथमिक रोल सामान्यतया यहीं तक होता है। इसके बाद प्रकरण कोर्ट के न्यायिक क्षेत्राधिकार में आ जाने के कारण आगे की कार्रवाई न्यायालय के निदेर्शानुसार होती है। परंतु बड़ा प्रश्न यह है कि विवादित पोस्ट हटा कर माफी मांग लेने से क्या गठित अपराध स्वयंमेव समाप्त हो जाता है? बकौल जलील मानिकपुरी, रिंद के रिंद रहे हाथ से जन्नत न गई, जैसा की कुछ बयानवीरों की मंशा है। बार काउंसिल आफ इंडिया के अध्यक्ष सांसद मनन मिश्रा का गिरफ्तारी को दुर्भाग्यपूर्ण कहना भी अपने आप में दुर्भाग्यपूर्ण कथन है। आपको याद होना चाहिए, मध्य प्रदेश के एक मंत्री विजय शाह द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी के विरूद्ध बहुत ही विवादित टिप्पणी किए जाने के बाद, तीन-तीन बार माफी मांगे जाने के बावजूद उच्चतम न्यायालय ने माफीनामा को स्वीकार न कर प्रकरण में जांच जारी रहने के आदेश दिये हैं।

तीन लगभग समान प्रकरण, परंतु कार्रवाई अलग-अलग, समरथ को नहिं दोस गुसाईं

पनोली को निचली अदालत ने जमानत नहीं दी, लेकिन लगभग इसी तरह के एक अन्य मामला महाराष्ट्र के पुणे में एक पोस्ट शेयर कर पाकिस्तान जिंदाबाद लिखने वाली 19 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्रा खतीजा शेख को गिरफ्तार कर उन्हे 15 दिन जेल में रहने पर उच्च न्यायालय ने शासन को फटकार लगाते हुए जमानत दी। हरियाणा में प्रतिष्ठित परिवार के ज्ञानी, प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को भी एक सोशल मीडिया पोस्ट पर हरियाणा महिला आयोग शिकायत के आधार पर पुलिस ने गिरफ्तार किया। जबकि उक्त पोस्ट को अधिकांशतः मीडिया से लेकर बुद्धिजीवी वर्ग ने गलत नहीं माना। यद्यपि उच्चतम न्यायालय ने अली को जमानत तो दी, तथापि दर्ज एफआईआर को गलत मानकर निरस्त करने की मांग स्वीकार नहीं की। माननीय जस्टिस सूर्यकांत शर्मा जो लगभग 6 माह बाद देश के अगले मुख्य न्यायाधीश बनने वाले हैं, द्वारा जमानत की शर्तों में जिस तरह के प्रतिबंध लगाए गए, उससे भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार पर देशव्यापी चर्चा में प्रश्न चिन्ह उठ खड़े हुए हैं। इन तीनो प्रकरणों में पुलिसिया कार्यवाई व न्यायालयीन कार्यवाई अलग-अलग है, जबकि आरोपित अपराध की धाराएं 196,299,353 तीनों प्रकरणों मे व 152,196,352 दो प्रकरणों में लगी हैं। इसलिए प्रश्न उठना लाजिमी है क्योंकि इंसाफ का तकाजा है कि न्याय सफल तब जानिये, अंगुली उठे न कोय।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार की सीमाएं?

लोकतांत्रिक देश में लोक वाणी ही देव वाणी होती है। अतः अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता व्यक्त करने की सीमा कहां तक है? इसे तो सुनिश्चित करना ही होगा, यद्यपि जो संविधान में परिभाषित है। सीमोल्लंघन पर पुलिसिया व न्यायिक कार्यवाही किस सीमा तक उचित है? क्योंकि कोई भी मूल अधिकार एब्सोलूट (पूर्ण) नहीं है। अभिव्यक्ति की आजादी व धार्मिक संवेदनशीलता के बीच संतुलन पर विवाद, विचार, बहस का विषय शर्मिष्ठा जिसने स्वयं कहा, यह लोकतंत्र नहीं है, की गिरफ्तारी से पुनर्जीवित हो गया है। इस युवा हिंदू महिला की गिरफ्तारी को तुष्टिकरण, वोट बैंक को खुश करने और सनातन धर्म के विरुद्ध कार्यवाई से जोड़ दिया गया। पुणे की खतीजा शेख ने अपने इंस्टाग्राम पर सिर्फ एक पोस्ट को शेयर किया, लिखा नहीं था, जिसमें पैगंबर या भगवान के संबंध में कोई अपमान जनक टिप्पणी नहीं थी। तथापि पाकिस्तान जिंदाबाद का बेहूदा, गंदा, असहनशील नारा लिखा गया था, जिस पर उसके विरुद्ध धारा 152, 196, 299 एवं 352 के अंतर्गत अपराध दर्ज कर कालेज से भी निष्कासित तक कर दिया

था। उच्च न्यायालय का यह कथन कि छात्रा को गिरफ्तार ही नहीं करना चाहिए था। यह शर्मनाक है कि सरकार ने छात्रा के साथ कट्टर अपराधी जैसा व्यवहार किया गया, आश्चर्यचकित करता है। पाकिस्तान जिंदाबाद नारा कहना, शर्मिष्ठा के मोहम्मद पैगंबर के विरुद्ध कहे गए अपशब्दों से भी ज्यादा खतरनाक इसलिए है, क्योंकि शर्मिष्ठा का कथन देश के मात्र 20 करोड़ लोगो (मुसलमानों) के खिलाफ है, जबकि खतीजा शेख का कथन समस्त 140 करोड़ भारतीयों के खिलाफ है, जिनमें उक्त 20 करोड़ मुस्लिम भी शामिल है। धर्म से बड़ा राष्ट्र धर्म, राष्ट्र भक्ति और राष्ट्र प्रेम होता है। कोई भी भारतीय कभी यह पसंद नहीं कर सकता है कि हमारा सबसे बड़ा दुश्मन देश पाकिस्तान जिसके विरुद्ध अभी हमने पहलगाम आतंकी हत्या का बदला लेने के लिए ऑपरेशन सिंदूर किया, के समर्थन में कोई हमारे ही देश में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए और वह इस आधार पर जेल जाने से छूट जाये कि उसने माफी मांग ली है। माफी तो शर्मिष्ठा पनोली ने भी मांगी थी व पोस्ट भी डिलीट कर दी थी? तथापि प्रोफेसर अली खान ने माफी तो नहीं मांगी, परन्तु पोस्ट अवश्य डिलीट कर दी थी।

उच्चतम न्यायालय कठोर रुख अपनाए

एक सामान्य भारतीय नागरिक के मन में प्रश्न उठता है कि जब कानून सबके लिए बराबर है, तो देश के विभिन्न न्यायालयों में, विभिन्न अंचलों में, कानून का एक समान पालन क्यों नहीं होता है? आम व्यक्ति आज भी कानून और अदालत पर यकीन रखता है और यह यकीन ही उसका रहबर है, लेकिन जब रहबर ही गाफिल हो तो वह किस जानिब देखे? निचली अदालत द्वारा शर्मिष्ठा पनोली को जमानत देने से इनकार करने के आदेश के 3 दिन पूर्व ही मुंबई उच्च न्यायालय ने खतीजा शेख को जमानत देते हुए यह कहा कि एक युवा छात्र की सोशल मीडिया पोस्ट से राष्ट्रीय हित को कोई नुकसान नहीं होगा। यह गलतियां करने और सुधारने की उम्र है, उन्हें सुधार का मौका देना चाहिए, जेल में नहीं रखना चाहिए। शर्मिष्ठा भी एक छात्रा है, तब फिर उच्च न्यायालय का उक्त सिद्धांत निचली अदालत द्वारा लागू कर उसे जमानत क्यों नहीं दी? एक बडा प्रश्न है, जो यहां उत्पन्न होता है, का जवाब सिर्फ न्यायालय ही दे सकता है। कोलकाता उच्च न्यायालय ने भी अभी तक राहत प्रदान नहीं की है। पुलिसिया कार्यवाई हमारे देश में जिनकी सरकारें होती है, यथा राजा तथा पुलिस की तर्ज पर उनकी ठकुरसुहाती में उनके नेताओं के इशारे व भाव भंगिमा को पढ़कर व देखकर होती हैं। इसीलिए उन कार्यवाही की वैधता को न्यायालय में चुनौती दी जाती है, जहां उन कार्रवाइयों को न्यायोचित/न्यायविरोधी तय करने में एक ही संविधान और कानून के अंतर्गत न्यायालयों की व्याख्या और निर्णय अलग-अलग होते हैं, जो एक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। इसके स्थाई समाधान की आवश्यकता है। यह कार्य भी देश का उच्चतम न्यायालय ही स्ट्रिक्ट (कठोर) होकर तय कर सकता है। निराशा से आशा की प्रतीक्षा में....?

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

यादव बोले- प्रकृति को संजोएं, आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित धरती दें

भोपाल ■

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक पेड़ मां के नाम अभियान का प्रदेशव्यापी शुभारंभ किया। उन्होंने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार परिसर में सिंदूर, रक्तचंदन और आंवला के पौधों का रोपण कर अभियान की शुरूआत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान भारतीय संस्कृति की उस परंपरा को सशक्त करता है, जिसमें एक वृक्ष को सौ पुत्रों के समान माना गया है।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि अगली पीढ़ी को बेहतर धरती और वातावरण सौंपने के लिए पर्यावरण संरक्षण के प्रति सभी को सचेत होना होगा। इस वर्ष का विषय प्लास्टिक प्रदूषण का उन्मूलन है, जो आज की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए एक पेड़ मां के नाम अभियान का प्रदेशव्यापी शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने सभागार परिसर में सिंदूर, रक्त चंदन और आंवले का पौधा लगाकर इस अभियान की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि यह अभियान भारतीय संस्कृति की उस परंपरा को आगे बढ़ाता है, जिसमें एक वृक्ष को सौ पुत्रों के समान माना गया है। वृक्षों, नदियों, पर्वतों और वन्यजीवों की पूजा हमारी परंपरा का हिस्सा है और यह पर्यावरण संरक्षण की जड़ों को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने पर्यावरण प्रबंधन पोर्टल का शुभारंभ एवं राज्य वेटलैंड एटलस का विमोचन भी किया। उन्होंने चार पीएचडी शोधार्थियों को पर्यावरण छात्रवृत्तियां प्रदान कीं और पर्यावरण शिक्षा सामग्री का विमोचन किया।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सभी काम करें

कार्यक्रम में सांसद वीडी शर्मा, मंत्री दिलीप अहिरवार, मंत्री कृष्णा गौर, महापौर मालती राय, विधायक रामेश्वर शर्मा और भगवान दास सबनानी भी उपस्थित रहे। सांसद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश जल, जंगल और जमीन के संतुलन को कायम रखते हुए विकास के पथ पर अग्रसर है। मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण के लिए व्यक्तिगत जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया और कहा कि भारत की परंपरा में रिसाइक्लिंग और पुनः उपयोग पहले से मौजूद हैं, अब आवश्यकता है इन्हें अपनाकर पृथ्वी को सुरक्षित और हरित बनाने की।

75 हजार से अधिक खेत-तालाबों का निर्माण

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। अब तक 75 हजार से अधिक खेत-तालाबों का निर्माण, 95 हजार 500 कुओं का रिचार्ज और 1225 अमृत सरोवरों का जीर्णोद्धार किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि 2002-03 में जहां केवल 7 लाख हेक्टेयर भूमि सिंचित थी, वहीं अब यह आंकड़ा 55 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया है। मुख्यमंत्री ने तापी मेगा रिचार्ज परियोजना, पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना और केन-बेतवा लिंक परियोजना जैसे नवाचारों की चर्चा करते हुए कहा कि यह प्रदेश को जल संपन्न बनाएंगे और पड़ोसी राज्यों को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने क्षिप्रा नदी में स्नान व्यवस्था के विस्तार की भी जानकारी दी।

श्रेष्ठ कार्य करने वाली संस्थाएं सम्मानित

इस अवसर पर वर्ष 2022-23 और 2023-24 के लिए म.प्र. वार्षिक पर्यावरण पुरस्कार भी प्रदान किए गए। विद्यालय श्रेणी में केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-2 भोपाल, सेंट्रल एकेडमी शहडोल, शिशुकुंज इंटरनेशनल स्कूल इंदौर और सिंधिया कन्या विद्यालय ग्वालियर को पुरस्कृत किया गया। उद्योग, नगर निकाय, अस्पताल और एनजीओ श्रेणियों में भी श्रेष्ठ कार्य करने वाली संस्थाओं को सम्मानित किया गया।

गुना में एक साथ लापता हुईं 3 नाबालिग बहनें, तीसरे दिन भी कोई सुराग नहीं

गुना ■

मध्य प्रदेश के गुना में एक साथ तीन नाबालिग बहनों के अचानक से लापता होने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। शहर के कोतवाली थाना इलाके की नजूल कॉलोनी में रहने वाली तीनों बहनें शुक्रवार को घर से आइसक्रीम खाने का कहकर निकली थीं। लेकिन इतना समय बीत जाने के बाद भी अबतक तीनों का कोई सुराग नहीं लग सका है। बच्चियों के लापता होने से परिजन के साथ साथ पूरे इलाके के लोगों में चिंता का माहौल है।

बताया जा रहा है कि, घर से लापता हुई तीनों नाबालिग बहनों में से पहली 17 साल की है, दूसरी 16 साल और तीसरी 14 साल की मंगलवार 3 जून की शाम को अपने पिता से आइसक्रीम खाने के लिए 40 रुपए लेकर घर से निकली थी। इसके बाद से तीनों अबतक वापस नहीं लौटी। परिजन ने उन्हें आसपास और रिश्तेदारों के यहां तलाशा, लेकिन जब कोई जानकारी नहीं मिली तो पुलिस को सूचना दी गई। कोतवाली थाना पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर तीनों बालिकाओं की तलाश में जुटी हुई है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर मार्निंग ग्रुप ने एक पौधा सेहत के नाम पर रोपण किया

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। विश्व पर्यावरण दिवस पर मार्निंग ग्रुप ने एक पौधा सेहत के नाम पर रोपण कर स्वस्थ जीवन के लिए पौधा लगाकर पर्यावरण की रक्षा करना पर्यावरण की शुद्धता बनाए रखने का संदेश देकर निवाली रोड पर पौधा रोपण किया गया। मार्निंग ग्रुप के सुनील अग्रवाल ने बताया कि मार्निंग ग्रुप द्वारा सुबह 6 बजे निवाली रोड पर विश्व पर्यावरण दिवस पर बड़े घटपटिया नाले के पास स्वस्थ पर्यावरण के लिए मार्निंग ग्रुप के सदस्य छोटू चौधरी की माताजी की स्मृति में पौधा रोपण कर टी गार्ड लगाकर इसे बड़ा करने की जिम्मेदारी लेते हुए पौधा रोपण किया गया। वहीं रोड पर बिखरा कचरे को एकत्रित कर उसे जलाया गया।

अग्रवाल ने बताया कि मार्निंग ग्रुप द्वारा पूर्व में भी सात आठ पौधे का रोपण कर उन्हें बड़ा किया गया जिसमें पीपल, नीम व बरगद के पौधे रोप गए थे वे आज पेड़ बन गए। ग्रुप के राजेश मिश्रा पूर्व सहायक यंत्री ने कहा कि वृक्ष स्वस्थ जीवन के लिए बहुत अनिवार्य हैं जिस तरह सुबह शाम घूमना, व्यायाम व योगा करना स्वस्थ के लिए महत्वपूर्ण है उसी तरह पेड़ लगाना भी महत्वपूर्ण है। जिस तरह एक पेड़ मां के नाम से लगाया जा रहा हैं उसी तरह एक पेड़ सेहत के लिए भी लगाए। मार्निंग ग्रुप के नव नियुक्त अध्यक्ष प्रदीप नाईक ने कहा कि मार्निंग ग्रुप सुबह मार्निंग वॉक करने वाले का ग्रुप होकर रचनात्मक कार्य करने के साथ स्वस्थ जीवन जीने के लिए पर्यावरण के लिए भी कार्य करता है। हम कार्य के माध्यम से जनता को प्रेरित करते हैं। गिरीश दर्शे ने कहा कि शुद्ध पर्यावरण ही हमें स्वस्थ रखने में सहायता देता है पर्यावरण के लिए वृक्ष लगाना जितना जरूरी है उसके साथ डिस्पोजल का उपयोग बंद करना, प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करना, अपशिष्ट का प्रबंधन कर अधिक से अधिक पौधे लगा कर पर्यावरण को शुद्ध बना सकते हैं। आए हम सब मिलकर पर्यावरण के लिए एक पौधा रोपण करे। इस अवसर पर प्रभाकर पाटिल, पार्षद प्रकाश निकुम, मनोज सनोने, महेश खंडेलवाल, अनिल संधान, कमलेश पालीवाल, सुभाष शर्मा, रवि पाटिल, दिलीप चौहान मौजूद थे।

नगर पालिका अध्यक्ष के द्वारा वूमेन फॉर ट्री अभियान की शुरूआत

सेंधवा (निर्मला वर्मा)। विश्व पर्यावरण दिवस पर गुरुवार दिनांक 05/06/2025 को अमृत मित्र योजना अंतर्गत वूमेन फॉर ट्री कैंपेन में नगर पालिका अध्यक्ष बसंती बाई यादव के द्वारा वूमेन फॉर ट्री अभियान की शुरूआत सीएम राइस स्कूल प्रांगण पर पौधा रोपण के साथ गई। इस दौरान समूह की महिलाओं द्वारा वृक्षारोपण किया गया। नपा अध्यक्ष बसंती बाई यादव ने कहा कि पर्यावरण को लेकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी चिंतित है। पर्यावरण को लेकर सरकार भी काम कर रही है। इसके साथ ही आमजन की सहभागिता बने व पर्यावरण के प्रति लोग भी अपनी जिम्मेदारियों को समझे इस लिए उन्होंने एक पेड़ मां के नाम से लगाने का आव्हान किया है। हमे अपनी व देश के प्रति जिम्मेदारी लेकर वृक्षारोपण करना चाहिए। पर्यावरण को दोषित करने वाली वस्तुओं से दूर रखने व पॉलीथिन, प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करे साथ ही डिस्पोजल का उपयोग नहीं कर पर्यावरण व देश के विकास में आपका योगदान रहेगा। नगर पालिका परिषद सीएमओ मधु चौधरी, सब इंजीनियर विशाल जोशी, एनयूएलएम नोडल अनसिंह बिलवाल, पार्षद पति सचिन शर्मा, कमल पाटिल, प्रकाश निकुम, गणेश राठौर महिला मोर्चा अध्यक्ष लक्ष्मी शर्मा के साथ नगर परिषद के कर्मचारी, पीडीएमसी के फील्ड इंजीनियर रूपसिंह सिसोदिया मौजूद रहे।

ईद उल अजहा पर तय जगह पर हो कुबार्नी, सोशल मीडिया पर न डालें वीडियो, जारी की एडवाइजरी

भोपाल ■

ईद की नमाज शनिवार को सुबह 6:30 बजे होगी। मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड ने एडवाइजरी जारी की है। गुरुवार को एमपी वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ सनवर पटेल ने एशिया की सबसे बड़ी ईदगाह भोपाल पहुंच कर तैयारियों का जायजा लिया। बोर्ड ने कहा है कि ईद उल अजहा पर कुबार्नी के लिए जो जगह तय हो, वहीं पर कुबार्नी कराएं। प्रतिबंधित जानवरों की कुबार्नी किसी भी सूरत में न हो। कुबार्नी के वीडियो, ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल न किए जाएं। जहां कुबार्नी हो वह जगह चारों तरफ से दीवार, टीनशेड से बंद रखी जाए और आवश्यक दवाओं का छिड़काव किया जाए। बोर्ड ने सड़क पर ईद की नमाज नहीं पढ़ने के लिए भी एडवाइजरी जारी की है।

250 वॉलिंटियर्स रहेंगे तैनात

वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बार ढाई सौ (250)वॉलिंटियर्स तैनात रहेंगे जो व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संभालेंगे। पार्किंग स्थल को सुचारू एवं सरल बनाया गया है। अगले चरण में ईदगाह परिसर में जनता को और भी नए नवाचार देखने को मिलेंगे, नई साज सज्जा से संवारा जाएगा। इस अवसर पर शहर के प्रसिद्ध आर्किटेक्ट एवं समाजसेवी एसएम हुसैन ने कई सुझाव दिए जिनका डॉ. सनवर पटेल ने स्वागत किया। इस अवसर पर सीईओ, कार्यालय स्टाफ सहित समस्त भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारी उपस्थित रहे। पूरा परिसर साफ सुथरा और खूबसूरत नजर आ रहा है। वक्फ बोर्ड मप्र के अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल ने वक्फ मुतवल्ली, प्रबंध समिति को दिए निर्देश में कहा है कि प्रदेश भर में मस्जिदों, कब्रिस्तान, दरगाह-मजारात, ईदगाह, कर्बला और मदरसा स्कूल आदि के रूप में 15 हजार वक्फ प्रॉपर्टी दर्ज हैं।

एडवाइजरी के प्रमुख बिंदु

1- कुबार्नी की जगह को चारों तरफ से दीवार या टीनशेड के बंद रखें और इन स्थानों पर आवश्यक दवाओं का छिड़काव कराया जाए।
2- लोगों को जागरुक करना है कि ऐसे स्थान पर सफाई का विशेष ध्यान रखा जाना है और लोग इसे अपनी धार्मिक और नैतिक जिम्मेदारी समझें।
3- कुबार्नी के लिए जो स्थान तय हों वहीं पर कुबार्नी करें, उसे अच्छे से ढंककर अपने स्थान तक ले जाएं। कुबार्नी के जानवर की अनुपयोगी चीजों को सुरक्षित और नगर निकाय द्वारा रखे कंटेनर या चयनित स्थानों पर ही डालें।
4- प्रतिबंधित जानवरों की कुबार्नी किसी भी सूरत में न करें और सरकार के आदेशों का पालन करें।
5- कुबार्नी का कोई भी वीडियो या आडियो सोशल मीडिया पर वायरल न करें।
6- ईद की नमाज केवल ईदगाह के अंदर या मस्जिद परिसर में ही पढ़ें। गैर जरूरी तौर पर सड़कों पर नमाज अदा करने से बचें। जरूरत होने पर स्थानीय प्रशासन को भरोसे में लेकर ईद की नमाज अदा करें।

भगवान हनुमानजी बने जज

दमोह ■

दो भाइयों का विवाद थाने में बजरंगबली के सामने खत्म हो गया। पुलिसकर्मी गवाह बने तो, बजरंगबली मजिस्ट्रेट की भूमिका में रहे। फिर तो दलील हुई न जिरह, दोनों भाइयों ने समझौता कर विवाद खत्म कर लिया। ये पूरा मामला मध्य प्रदेश के दमोह जिले का है। भूरी बिजौरी गांव के गणेश साहू ने संतान न होने पर 2022 में छोटे भाई रामप्रसाद के बेटे खुमान को गोद लिया। खुमान 2017 से गणेश के साथ भुसावल में मजदूरी कर रहा था। 2024 में खुमान की शादी के बाद कलह शुरू हुई। खुमान ने गणेश से नाता तोड़ दिया। खुमान 400 ग्राम चांदी का डोरा, 200 ग्राम की पायल, 5 ग्राम की सोने की झुमकी और बाइक ले गया। यही विवाद दोनों पक्षों को चौकी तक ले आया। चौकी प्रभारी आनंद कुमार को दोनों पक्षों ने कहा, वे निपटारा चाहते हैं। कानूनी कार्रवाई नहीं। तय हुआ चौकी में बजरंगबली के सामने फैसला होगा।

10 करोड़ की लागत से बनकर तैयार है झूला पुल, नर्मदा के उत्तर और दक्षिण घाटों को जोड़ेगा

अनूपपुर ■

पवित्र नगरी अमरकंटक में श्रद्धालुओं को अब हरिद्वार और ऋषिकेश जैसे तीर्थ स्थलों की तरह झूला पुल का आनंद प्राप्त होगा। अमरकंटक स्थित रामघाट पर बना यह झूला पुल सिर्फ एक निर्माण नहीं, बल्कि आस्था, विकास और पर्यटक सुविधा का जीवंत प्रतीक बन गया है। नर्मदा के उत्तर और दक्षिण तटों को जोड़ने वाला यह आकर्षक पुल श्रद्धालुओं के लिए अब लंबी दूरी और असुविधाजनक रास्तों का विकल्प बनकर आया है।

10 करोड़ रुपये की लागत से बने इस झूला पुल पर अब रंग-बिरंगी झालरों की सजावट अंतिम चरण में है। अनुमान है कि जून के अंत तक इसकी बिजली व्यवस्था का परीक्षण पूरा हो जाएगा। प्रसाद योजना के तहत इसका निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है। जिसका उद्देश्य तीर्थ स्थलों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करना है।

स्थानीय निकाय संभालेगा जिम्मा

परियोजना को पूरा करने के बाद इसे अब नगर परिषद अमरकंटक को सौंपने की तैयारी है। शहडोल संभाग के सहायक यंत्री सोमपाल सिंह लोधी ने जानकारी दी कि पुल पूरी तरह तैयार है। जल्द ही इसे जनता के लिए खोल दिया जाएगा।पुल के रखरखाव और व्यवस्था के लिए छोटा सा शुल्क तय किया जा सकता है, जिससे इसके दीर्घकालिक संचालन में कोई बाधा न आए।

पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा, आस्था को मिलेगा सम्मान

झूला पुल से न केवल श्रद्धालुओं को सुविधा होगी, बल्कि अमरकंटक को एक नया पर्यटन आकर्षण भी मिलेगा। अब आने वाले श्रद्धालु दोनों तटों पर आसानी से जा सकेंगे, नर्मदा की परिक्रमा और पूजा-पाठ करना ज्यादा सरल होगा। फिलहाल,श्रद्धालुओं ने यहां पहुंचकर सेल्फी लेना भी प्रारंभ कर दिया है।आम जन को मिली इस सुविधा से अब धार्मिक नगरी का स्वरूप और भी बेहतर हो गया है। पहले लोगों को घूमकर दूसरे तट पर जाना पड़ता था , अब पुल की सहायता से दूसरे तट पर जाना आसान हो गया है।

कोविड-19 महामारी नें जैसे इंसानों को नष्ट किया वैसे फंगस फसलों को बर्बाद कर देता है

वैश्विक स्तरपर आज आतंकवाद की एक ऐसी ट्रेंड सी चल पड़ी है, जिसमें आज कोई देश अछूता नहीं रह गया है। एक क्रिमिनल व्यक्ति या देश केदिमाग में अपने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष दुश्मनों के वजूद को ही मिटाने की आईडियाएं या सोच उभरती रहती है,जो सीधे मानव बम, केमिकल बम जैविक बम और अभी उभर के आया है कृषि जैविक बम! बनकर सब कुछ नष्ट कर देता है हमने अभी तक साइबर,जैविक इत्यादि अनेकों वेपंस के आतंकवाद का नाम सुने हैं, लेकिन अमेरिका में दिनांक 4 जून 2025 को देर शाम ऐसे चीनी दो व्यक्तियों को पकड़ा गया जो फंगस को तस्करी कर अमेरिका लाए थे, जो फसलों में तेजी से रोग पैदा कर संक्रमण के जरिए पूरी फसलों को पूरी तरह से बर्बाद कर देता है चाहे वह गेहूं मक्का बाजरा सहित कोई भी फसल हो इसे एक तरह से बायोवेपन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है जो दुश्मन देश को भूखा मरने पर मजबूर कर सकता है, क्योंकि इस वेपन के जरिए उस देश की पूरी फैसलें जहरीली व सूख जाती है, यानें किसी भी तरह से इंसानों के खाने लायक नहीं रहती, हमारी पीढ़ीयों कोकोविड-19 महामारी के बारे में हमेशा याद रहेगा जो तथाकथित चमदागड़ से चीन से उदय हुई थी,ऐसा संदेश व्यक्त किया गया था।

सनमुखदास भावनानीं
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

एक तरह से कृषि आतंकवाद का नया वर्जिन आजाद हुआ है, जिसका पहला निशाना अमेरिका हो सकता था। हालांकि इसके पूर्व इसका प्रयोग 1943 में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी ने ब्रिटेन में आलू की फसलों को नष्ट करने के लिए इसे विमान से छोड़ा गया था। चूँकि चीनी साजिश पर दुनियाँ हैरान,अमेरिका को भूखा मारने का था प्लान, फंगस के जरिए अनाज खाद्य पदार्थ फसलों को बर्बाद करना था प्लान तथा आधुनिक आतंकवाद व युद्ध मानवीय जीवों की मृत्यु,फसलों भोजन स्वास्थ्य संपत्तियों भूमि पानी हवा पर्यावरण यहां तक कि सभ्यता का भी विनाश करना है,जो दुखदाई है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, विश्व का पहला कृषि आतंकवाद,कोविड-19 महामारी जैसे इंसानों को नष्ट कर देती है वैसे फंगस फसलों को बर्बाद कर देता है जो रेखांकित करने वाली बात है। साथियों बात अगर हम विश्व के पहले कृषि आतंकवाद की करें तो,हमने अक्सर साइबर टेररिज्म और इको टेररिज्म जैसे शब्द सुने हैं. हालांकि, अमेरिका में 4 जून को एग्रो टेररिज्म का एक दुर्लभ मामला सामने आया। अमेरिका की जांच एजेंसी एफबीआई ने एग्रो टेररिज्म यानी कृषि आतंकवाद की साजिश के आरोप में दो चीनी नागरिकों को अरेस्ट किया है, एफबीआई के मुताबिक,उन दोनों ने फ्यूजेरियम ग्रामिनेरियम नामक एक खतरनाक फंगस चीन से अमेरिका में तस्करी की थी, यह ऐसा फंगस है, जो फसलों में रोग पैदा करके इन्हें बर्बाद कर देता है. इसे एग्रीकल्चर टेररिज्म वेपन के तौर पर इस्तेमाल किया जाता।कुल मिलाकर कहा जाए तो इस खतरनाक फंगस को जैविक हथियार यानी बायो वेपन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है, इन दोनों चीनी नागरिकों पर मिशिगन कमें साजिश, फंगस की तस्करी, झूठे बयान और धोखाधड़ी का आरोप है, अमेरिका में एग्रो टेररिज्म की इस घटना से लोगों के मन में उत्सुकता जग गई है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, फंगस फ्यूजेरियम ग्रामिनेरियम एक संभावित एग्रो टेररिज्म हथियार है और यह अरबों डॉलर के नुकसान का कारण बन सकता है,यह एक खतरनाक हानि कारक फंगस है,जो गेहूं, जौ,जई और मक्का जैसी अनाज फसलों को संक्रमित करता है, वास्तव में इसे उन पांच सबसे विनाशकारी

फंगल रोगाणुओं में से एक माना जाता है जो कृषि पारिस्थितिक तंत्र को प्रभावित करते हैं,अब सवाल है कि क्या चीन इस प्लान से अमेरिका को बर्बाद करने चला था? कितना खतरनाक है यह विशेषज्ञों का कहना है कि यह फ्यूजेरियम हेड ब्लाइट (एफएचबी) या ह्यस्कैबह्व नामक बीमारी का कारण बनता है,जो अनाज कीगुणवत्ता को नुकसान पहुंचाता है,और फसल की पैदावार को कम करता है, शोध के अनुसार, फंगस गेहूं की अमीनो एसिड संरचना में बदलाव करता है, जिससे दाने सिकुड़ जाते हैं और शेष अनाज दूषित हो जाता है, इस फंगस के गेहूं को प्रभावित करने की स्थिति में स्पाइकलेट्स की बाहरी सतह पर भूरे, गहरे बैंगनी-काले नेक्रोटिक घाव बन जाते हैं जो गेहूं के कान को तोड़ते हैं।चावल में यह प्रभावित बीजों को लाल कर देता है और बीज की सतह पर या पूरे बीज पर भूरे रंग के धब्बे पैदा कर सकता है,संक्रमित अनाज हल्के, सिकुड़े और भंगुर होते हैं। साथियों बात अगर हम कृषि आतंकवाद को समझने की करें तो, सरल शब्दों में कहें तो जैविक एजेंटों का इस्तेमाल करके पूरी की पूरी फसल बर्बाद करना ही एग्रो टेररिज्म है, यह कृषि प्रणालियों में बीमारियों या कीटों या अन्य हानिकारक जैविक एजेंटों को व्यापक नुकसान पहुंचाने के इरादे से डालने का कार्य है,ऐसे कार्य का एकमात्र मकसद खाद्य श्रृंखला को टारगेट करना है मकसद है, अर्थव्यवस्था को तबाह करना और सामाजिक अशांति पैदा करना, इसमें पकड़े जाने की संभावना जीरो है और कम लागत में यह बड़ा मकसद को पूरा करती है, एग्रो टेररिज्म के दूरगामी प्रभाव होते हैं, खासकर उन देशों के लिए जिनकी अर्थव्यवस्था कृषि पर निर्भर है, इसे बहुत प्रभावी भी माना जाता है क्योंकि यह बिना ध्यान दिए जा सकता है। दिलचस्प बात यह है कि इस प्रकार का आतंकवाद नया या अनोखा नहीं है, द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी ने ब्रिटेन में कोलोराडो आलू बीटल के साथ आलू की फसलों को टारगेट किया.ये बीटल 1943 में इंग्लैंड में पाए गए थे, बीटल को विमान से छोड़ा गया था, मोसटागनेम विश्वविद्यालय के एक शोध पत्र में यह भी कहा गया है कि जापान ने द्वितीय विश्व युद्ध जारी रहने पर अनाज के जंग के बीजाणुओं के साथ एग्रो टेररिज्म पर विचार किया था,अब समझिए अगर अमेरिका में चीनी साजिश सफल हो जाती तो अमेरिका की पूरी फसलें बर्बाद हो जातीं।अमेरिका में दो चीनी नागरिकों द्वारा खतरनाक फंगस फ्यूजेरियम ग्रेमिनीअरम की तस्करी मामले ने वैश्विक कृषि सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह घटना उस संभावित भविष्य की चेतावनी है, जहां बीज, मिट्टी और फसलें भी आतंकवाद के हथियार बन सकते हैं। यह फंगस अनाज को सड़ा देता है और इंसानों व जानवरों दोनों को गंभीर रूप से बीमार कर सकता है, जिससे यह जैविक युद्ध का मौन हथियार साबित हो सकता है। इसे एग्रो टेररिज्म यानी कृषि आतंकवाद का संभावित हथियार बताया गया है। क्या है कृषि आतंकवाद फसलों को नष्ट करने के लिए जैविक एजेंट का इस्तेमाल करना पक्का कृषि आतंकवाद ही कहलाता है। साथियों बात अगर हम कृषि आतंकवाद के भारत पर प्रभाव पड़ने की करें तो,इसका मकसद अर्थव्यवस्था को बर्बाद करना और समाज में तनाव पैदा करना होता है। यह तरीका सस्ता और पकड़ में आने में भी मुश्किल है। भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान लगभग 17 परसेंट है और देश की आधी से अधिक आबादी खेती से जुड़ी है। विशेष रूप से पंजाब, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश जैसे सीमावर्ती राज्यों में, जो पाकिस्तान और चीन से सटे हुए हैं,कृषि आतंकवाद का खतरा अधिक गंभीर है। 2016 में बांग्लादेश से आए जहरीले फंगस मैग्नापॉर्थे ओराइजा पाथोटाइप ट्रिटिकम ने पश्चिम बंगाल के दो जिलों में भारी तबाही मचाई थी। सरकार ने इस खतरे को नियंत्रण में रखने के लिए तीन वर्ष तक वहां गेहूं की खेती पर प्रतिबंध लगाया। इसलिए सतर्क रहना जरूरी -भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा गेहूं उत्पादक देश, काबू पाना मुश्किल होगा -पहले भी भारत में हेड ब्लाइट की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, विशेषकर उत्तर भारत में -सीमाओं से लगे क्षेत्रों, विश्वविद्यालयों, कृषि अनुसंधान संस्थानों पर कड़ी निगरानी जरूरी कई कदम उठाए जा चुके -भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की ओर से फफूंदरोधी गेहूं की किस्मों पर रिसर्च -कुछ राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में रोग प्रतिरोधक बीजों का ट्रायल शुरू किया गया -किसानों को बीज उपचार और फसल चक्र बदलाव जैसी सलाहें दी गईं समय रहते पाया काबू अमेरिका की नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर भारत में गेहूं की फसलों में हेड ब्लास्ट के लक्षण कई बार देखे गए हैं। हालांकि, हर बार समय पर नियंत्रण पा लिया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण अत्यधिक वर्षा, आर्द्रता और गर्म हवाओं वाले मौसम में इस रोग का खतरा और बढ़ सकता है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि विश्व का पहला कृषि आतंकवाद - कोविड-19 महामारी नें जैसे इंसानों को नष्ट किया वैसे फंगस फसलों को बर्बाद कर देता है।चीनी साजिश पर दुनियाँ हैरान- अमेरिका को भूख मारने का था प्लान-फंगस के जरिए, अनाज, खाद्य पदार्थ,फसलों को बर्बाद करना था प्लान।आधुनिक आतंकवाद व युद्ध, मानवीय जीवन की मृत्यु, फसलों भोजन स्वास्थ्य संपत्तियों भूमि पानी हवा व पर्यावरण यहां तक कि सभ्यता का भी विनाश करता है जो दुखदाई है।

(नोट: इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सम्पादकीय

भारतीय संयुक्त परिवारों की पृष्ठभूमि है

भारतीय संयुक्त परिवारों की पृष्ठभूमि उस मानवीय संवेदना से जुड़ती है, जिसमें सारे संसार को अपना परिवार माना जाता है। हजारों वर्षों से भारतीय परिवारों की पहचान धन, पद, संपत्ति से नहीं रही है, बल्कि उनमें निहित मूल्यों, विश्वासों, नियमों और संकल्पनाओं से रही है। यहां तक कि राजतंत्र में भी परिवारों का महत्त्व उसी तरह बना रहा, जैसे आज लोकतंत्र में व्यक्ति परिवार की इकाई होता है। इसलिए हर व्यक्ति का आपसी रिश्ता और व्यवहार बेहतर होना जरूरी है।

विजय गर्ग
लेखक
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

यत्र विश्वं भवति एक नीडम् यानी विश्व एक परिवार की तरह है। हमारी परंपरा में विश्व के साथ जुड़ने और मानवीय संस्कृतियों के सभी रंगों को समाहित करने की उदारता रही है। परिवार समाज की सबसे महत्त्वपूर्ण इकाई है। इस इकाई को सम्मान देने और इसका हिस्सा हो की वजह से दुनिया के हर सभ्य व्यक्ति का कर्त्तव्य है कि वह परिवार के साथ अपनी अहमियत बनाए रखे। हमारी वैदिक सनातन परंपरा में नारी को खास अहमियत दी गई है। परिवार में नारी को वैसा सम्मान दे, जिसकी वह हकदार है। दुनिया में स्त्री के प्रति पुरुषों नजरिए में बदलाव हुआ है, लेकिन उसे वैसा सम्मान नहीं दिया जा सका है जैसा उसे देना चाहिए। आदर्श परिवार के निर्माण से एक आदर्श समाज का निर्माण होता है, इस नजरिए से भी संयुक्त परिवार की अहमियत है। सर्वेक्षण बताते हैं कि पारिवारिक समस्याएं लगातार बढ़ी हैं। भारत में जहां परिवार कभी सबसे मजबूत । इकाई हुआ करता था, उसकी मजबूती कई समस्याओं और पारिवारिक मूल्यों के क्षरण से लगातार कमजोर हो रही है। परिवारों में नई समस्याएं देखने को मिलती हैं। भारत में आज यदि सबसे ज्यादा किसी संस्था पर खतरा मंडरा रहा है, तो संयुक्त परिवार पर संयुक्त परिवारों के लगातार टूटने से समाज के रिश्तों की अहमियत पर ही असर नहीं पड़ा, बल्कि भारतीय समाज के मूल्य, नियम, आचार, व्यवहार और पहचान पर भी असर पड़ा है। बड़े-बूढ़ों की समाज में अहमियत और सम्मान की वजह संयुक्त परिवार की बनावट, मूल्य और आपसी विश्वास से जुड़ता था। यह अटूट जुड़ाव ही ढीला होने लगा। परिवार पर हुए सर्वेक्षण भी इस बात की तस्दीक करते हैं कि पश्चिमी संस्कृति ने भारतीय परिवार की खासियतों और बनावट पर भी असर डाला है। पश्चिम से भारत में महज वहां की संस्कृति नहीं आई, बल्कि वहां की सामाजिक बनावट और मूल्य भी साथ-साथ आए इसका असर यह हुआ है कि भारत के संयुक्त परिवार पश्चिमी माडल के छोटे-छोटे परिवार का रूप लेने लगे, जहां व्यक्तिगत प्रगति ही को महत्त्व दिया गया। चिड़ियों के स्वभाव वाले परिवार जैसे हालात भारत के छोटे-छोटे परिवारों की भी हो गई। जैसे चिड़िया के बच्चे बड़े होकर परिवार से अलग हो जाते हैं और अपना अलग परिवार बना लेते हैं। ऐसा उन भारतीय परिवारों में भी होने लगा जो संयुक्त परिवार से निकल कर अपना अलग परिवार बसाने लगे। एक संयुक्त परिवार की बनावट, कार्य, स्वभाव, संबंध, मूल्य और ताकत से एकदम अलग, इन छोटे नए बने परिवारों का समाज के लिए योगदान भी करीबन खत्म हो गया। इससे समाज की व्यापकता, ताकत और आपसी पूरकता भी खत्म होने लगी। संवेदनहीनता और आपसी विश्वास की कमी व्यक्ति और समाज में दिखाई दे रही है, तो इसकी बड़ी वजह उन मानवीय और सामाजिक मूल्यों का कमजोर होना है, जिससे व्यक्ति और आदर्श समाज का निर्माण होता है। परिवारों में बहुत कुछ बदला है 'नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे' के अनुसार परिवारों में महिलाओं की स्थिति में बदलाव आया है। वर्ष 2019- 2021 में सर्वे अनुसार 18 फीसद घरों में महिलाएं मुखिया के रूप में हैं। वर्ष 2011 के जनगणना आंकड़ों के अनुसार 11 फीसद ऐसे परिवार थे, जिनमें महिलाएं मुखिया थीं। यानी सात फीसद का फर्क आया है। तब महिला मुखिया वाले परिवारों की सबसे अधिक संख्या लक्षद्वीप में 43.7 फीसद और केरल में 23 फीसद थी। भारतीय परिवारों में महिला परिवार की मुखिया के रूप में सम्मान पाती रही है। कई देशों में विस्तारित परिवार का प्रचलन है।

बेंगलुरु में व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे का बेनकाब होना

– ललित गर्ग – | लेखक

बढ़ते तापमान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की शानदार जीत के बाद आयोज्य जश्न के मातम, हाहाकार एवं दर्दनाक मंजर ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की पोल ही नहीं खोली बल्कि सत्ता एवं खेल व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे को भी बेनकाब किया है। आरसीबी विक्ट्री परेड के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास अचानक मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई जबकि 50 गंभीर रूप से घायल हुए हैं। भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, यह राज्य प्रायोजित एवं प्रोत्साहित हत्या है। पुलिस का बंदोबस्त कहां था? चीख, पुकार और दर्द और क्रिकेट सितारों को देखने की दीवानगी एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़, निकासी मार्गों की कमी और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक मामला है, जहाँ भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन एवं सत्ता का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है। क्रिकेट की दुनिया के सबसे बड़े वार्षिक उत्सव इंडियन प्रीमियर लीग के फाइनल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 18वें संस्करण में आईपीएल खिताब जीत लिया। इस कामयाबी से आईपीएल से विदाई ले रहे विराट कोहली के प्रति जन-उत्साह उमड़ा।

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

लेकिन इस जीत के जश्न की चमक में प्रशंसकों की चीखें एवं आहें का होना और उसे खिलाडियों एवं राजनेताओं द्वारा नजरअंदाज करना, अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा है। दुर्घटना होने एवं आम लोगों की मौतें हो जाने के बावजूद जश्न जारी रहना, दुखद एवं शर्मनाक है। प्रशंसकों की अहमियत को कमतर आंकने के इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम ने न केवल राजनेताओं को बल्कि खिलाड़ियों को भी दागी किया है। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है। इस जीत के जश्न में हिस्सा लेने आई भीड़ का एक लाख तक होने का अनुमान था। लेकिन लंबे अंतराल के बाद मिली जीत ने लोगों के उत्साह को इस स्तर तक पहुंचा दिया कि स्टेडियम के आसपास तीन लाख से अधिक लोगों की भीड़ जमा हो गई। खुद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का मौत की खबरें मिलने के बावजूद खिलाडियों के साथ जश्न मनाने में जुटा रहना उनकी प्रचार भूख का भौंडा उदाहरण है। जब मौत के बाद वहां पसरा मातम देखकर सब स्तब्ध थे तो सिद्धारमैया क्यों अपने पद की गरिमा एवं जिम्मेदारी को धूमिल कर रहे थे? सोचिए लोगों की मौत के बाद अगर एक मिनट भी जश्न मना, तालियां बजीं, ठहाके लगे, फ्लाइंग किस दिए गए तो इससे ज्यादा अमानवीयता और निर्दयता क्या हो सकती है? जब खुद सरकार एक जश्न का मातम में बदलने का नेतृत्व करेगी तो आम लोगों का कांप उठना स्वाभाविक है।

बहरहाल, आईपीएल का आयोजन लगातार नई ऊंचाइयों को छूता हुआ व्यावसायिक क्रिकेट को नई ऊंचाइयां देने में जरूर सफल रहा है। फटाफट क्रिकेट के दुनिया के सबसे बड़े उत्सव में भारत के दो सर्वकालिक महान खिलाड़ियों विराट कोहली व एमएस धोनी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी। अंततः विराट कोहली का आईपीएल खिताब जीतने का लंबा इंतजार इस जीत के साथ खत्म हुआ। लेकिन धोनी पांच बार की विजेता चेन्नई सुपरकिंग को जीत का खिताब दिलाने से चूक गए। एक तरह से आईपीएल क्रिकेट से कोहली की यह शानदार विदाई साबित हुई। वे इस गरिमामय विदाई के हकदार भी थे। उनके करोड़ों प्रशंसकों की कतारे देख कर राजनेता भी उनकी साथ मंच सांझा करने को उत्सुक दिखे, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, अन्य मंत्री एवं प्रशासनिक अधिकारी भी इसी फिराक में अपनी जिम्मेदारियों को भूल जश्न मनाते रहे और आमजनता अव्यवस्थाओं के कारण मौत में समाती रही। यह ऐसी दुखद घटना है जो अपनी निर्दयता एवं क्रूरता के लिये लम्बे समय तक कौंधती रहेगी। सिद्धारमैया के इस घटना की तुलना प्रयागराज कुंभ में हुए हादसे के करना उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रही है। भारत में भीड़ से जुड़े हादसे अनेक आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी। हालही में महाकुंभ के दौरान नई दिल्ली रेल्वे स्टेशन एवं प्रयागराज में हुए हादसे में भी अनेकों लोगों की जान गयी। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियाँ में भी भीड़ प्रबंधन की पौल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है। रेलवे स्टेशन, मंदिर और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त जगह और रास्ते नहीं हैं। कुछ स्थानों पर निकास मार्ग सीमित हैं या अनुपयुक्त हैं, जो भगदड़ का खतरा बढ़ाते हैं। भीड़ प्रबंधन के लिए पर्याप्त प्रशिक्षित एवं दक्ष सुरक्षाकर्मी नहीं हैं, जिससे सुरक्षा चूक होने की संभावना बढ़ जाती है। भीड़ प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों, जैसे कि एआई आधारित निगरानी और ड्रोन कैमरे का उपयोग सीमित है। लोगों को आपातकालीन निकास मार्गों, भीड़ नियंत्रण नियमों, और सुरक्षा उपायों के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है। गलत सूचना या अचानक दहशत से भीड़ अनियंत्रित हो सकती है और भगदड़ मच सकती है। भीड़ का व्यवहार कई बार अनियंत्रित हो जाता है, खासकर धार्मिक, खेल एवं सिनेमा आयोजनों में, जहां लोग भावनाओं में बहकर आगे निकलने की होड़ में लग जाते हैं। कई बार आयोजनकताओं और पुलिस के बीच समन्वय की कमी होती है, जिससे सुरक्षा चूक हो सकती है। भीड़ प्रबंधन केवल विधि-व्यवस्था बनाए रखने का विषय नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन की सुरक्षा, सार्वजनिक स्थानों की संरचना और आपातकालीन स्थितियों से निपटने की रणनीतियों से गहनता से संबद्ध है। दुर्भाग्यवश, कई बार आयोजकों और प्रशासनिक एजेंसियों द्वारा पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं किये जाते, जिससे जानमाल की हानि होती है। इस परिदृश्य में, बड़े आयोजनों में भीड़ प्रबंधन की मौजूदा स्थिति, उससे जुड़ी प्रमुख चुनौतियाँ, हालिया घटनाओं से मिले सबक और प्रभावी समाधानों की चर्चा करना बेहद प्रासंगिक होगा, ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदियों से बचा जा सके। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में धार्मिक उत्सव, खेल आयोजनों और राजनीतिक रैलियों में लाखों लोग जुटते हैं। ऐसे आयोजनों के लिये पुलिस, होम गार्ड, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को तैनात किया जाता है। विश्व के विभिन्न विकसित देशों में भीड़ प्रबंधन के लिये अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है। जापान जैसे देशों में रेलवे स्टेशनों और सार्वजनिक स्थानों पर अत्यधिक भीड़ के प्रबंधन के लिये ऑटोमेटेड एंट्री और एग्जिट सिस्टम स्थापित किये गए हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय देशों में स्टेडियमों, एयरपोर्ट्स एवं धार्मिक स्थलों पर भीड़ नियंत्रण के लिये एआई आधारित कैमरे, आपातकालीन अलर्ट सिस्टम और प्रशिक्षित सुरक्षाकर्मी मौजूद रहते हैं।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

आदिवासियत का विस्तार है गांधी का ग्राम स्वराज

जब महात्मा गांधी ने ग्राम स्वराज की बात की थी, तो उनका सपना केवल प्रशासन के विकेंद्रीकरण तक सीमित नहीं था। वे एक ऐसी ग्राम-व्यवस्था की परिकल्पना कर रहे थे, जहाँ सत्ता, संस्कृति और समाज की जड़ें गहराई तक मिट्टी से जुड़ी हों। जहाँ आत्मनिर्भरता जीवन का मूलमंत्र हो, सामाजिक न्याय व्यवहार का आधार बने और लोकतंत्र का स्वरूप सबसे नीचे से शुरू होकर ऊपर तक विस्तृत हो। गांधी के लिए ग्राम स्वराज सत्ता का ढाँचा नहीं, बल्कि संपूर्ण जीवन-दर्शन था। वे चाहते थे कि भारत का हर गाँव एक स्वतंत्र गणराज्य की तरह कार्य करे—जहाँ हर नागरिक का मत मायने रखे, हर व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति सामूहिक सहयोग और स्वाभिमान से कर सके, और हर गाँव अपने संसाधनों, संस्कृति और निर्णयों में आत्मनिर्भर हो। परंतु जब हम भारत के आदिवासी बहुल इलाकों की तरफ देखते हैं—झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की पहाड़ियों की ओर—तो पाते हैं कि गांधी जिस आदर्श गाँव की बात कर रहे थे, वह यहाँ पहले से अस्तित्व में था। आदिवासी समाजों में ग्राम ही सर्वोच्च इकाई रही है। गाँव केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि एक सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक इकाई होता है। इन समाजों में निर्णय ग्रामसभा द्वारा लिए जाते हैं, जहाँ सभी वयस्क पुरुष और महिलाएँ भाग लेते हैं। कोई भी बड़ा फैसला—जैसे कि विवाह का अनुमोदन, भूमि विवाद का निपटारा, या जंगल के उपयोग की अनुमति—ग्रामसभा के विचार-विमर्श और सामूहिक सहमति से होता है।

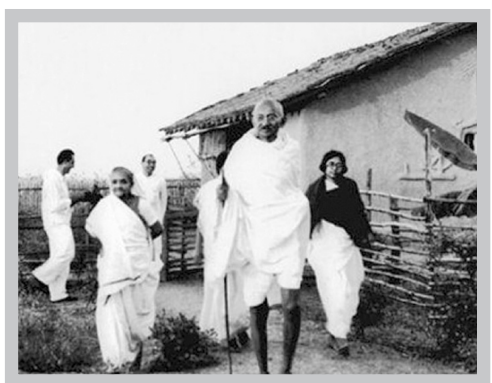

अर्थव्यवस्था भी यहाँ निजी स्वामित्व पर नहीं, बल्कि सामूहिक श्रम और साझी संपत्ति पर आधारित रही है। खेतों की जोताई, बीज बोने, फसल काटने और भंडारण तक की प्रक्रिया में पूरा गाँव सहभागी होता है। उत्पादन का वितरण भी सामूहिक होता है। जल, जंगल और जमीन को समाज की साझा संपत्ति माना जाता है, जिस पर हर व्यक्ति का समान हक होता है। कोई व्यक्ति या परिवार इन संसाधनों पर निजी स्वामित्व का दावा नहीं कर सकता। यह दृष्टिकोण गांधी की उस कल्पना से मेल खाता है जिसमें उन्होंने निजी संपत्ति की बजाय ट्रस्टीशिप का सिद्धांत दिया था। संस्कृति आदिवासी समाजों की आत्मा है। यह कोई जड़ या बीते हुए समय की वस्तु नहीं, बल्कि आज भी जीवंत और क्रियाशील है। गीत, गाथाएँ, नृत्य, त्योहार और अनुष्ठान केवल मनोरंजन के साधन नहीं, बल्कि सामाजिक अनुशासन, ज्ञान के संप्रेषण और सामूहिक चेतना के वाहक हैं। संस्कृति का यह जीवंत स्वरूप ग्राम समाज को एकजुट रखता है, नई पीढ़ी को मूल्य देता है और गाँव की स्मृति को पीढ़ियों तक संजोए रखता है। गांधी भी मानते थे कि किसी भी समाज की आत्मा उसकी संस्कृति में बसती है, और जब तक वह संस्कृति जीवित है, समाज की चेतना भी जीवित रहती है। औपनिवेशिक शासन ने इस ग्राम स्वराज की आत्मा को खंडित करने का प्रयास किया। 1793 के स्थायी बंदोबस्त से लेकर 1865 के वन अधिनियम और फिर 1871 के आपराधिक जनजाति कानून तक, आदिवासी समाजों के सामूहिक ढांचे को विध्वंसित करने की कोशिशें होती रहीं। जंगलों पर से उनका अधिकार छीना गया, भूमि को राजस्व की वस्तु बना दिया गया और परंपरागत नेतृत्व को अवैध घोषित कर दिया गया। परंतु यह समूची प्रक्रिया ग्रामसभा और समाज की जड़ों को पूरी तरह मिटा नहीं सकी। वे मौन रहीं, किन्तु जीवित रहीं। स्वतंत्र भारत में गांधी के ग्राम स्वराज का अनुवाद पंचायती राज व्यवस्था के रूप में हुआ। परंतु यह व्यवस्था गांधी की कल्पना से काफी भिन्न थी। इसमें सत्ता का प्रवाह ऊपर से नीचे की ओर होता है, जबकि गांधी चाहते थे कि निर्णय नीचे से ऊपर की ओर आएं। संविधान की पाँचवीं अनुसूची, 1996 का पेसा कानून और 2006 का वन अधिकार अधिनियम ऐसे प्रयास थे जो आदिवासी ग्राम स्वराज को वैधानिक मान्यता देते हैं, परंतु इनका क्रियान्वयन अभी तक अधूरा और इच्छाशक्ति से विहीन है। ग्रामसभा को केवल सलाहकार संस्था मान लिया गया, जबकि उसे विधायी शक्तियाँ मिलनी चाहिए थीं। गांधी का ग्राम स्वराज केवल पंचायतों या चुनावों का ढाँचा नहीं था। उनके लिए यह एक दर्शन था—संपूर्णता का दर्शन। उनका कहना था—ह्लगाँव को ऐसा बनाना है कि वह स्वयं एक छोटा गणराज्य हो, जिसमें पूर्ण स्वराज्य की अनुभूति हो। गांधी के ग्राम स्वराज के मूल तत्व—आत्मनिर्भरता, सामूहिकता, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता, संवाद पर आधारित निर्णय और हिंसा से परहेज—ये सभी आदिवासी समाज की रचनात्मक बुनियाद में पहले से मौजूद हैं। इस संगति को पहचानना, गांधी के विचारों को नयी जमीन देना है—जो न केवल आदिवासी भारत को सम्मान देता है, बल्कि शेष भारत को भी एक नया मार्ग सुझाता है। अब यदि हम इन तत्वों को आदिवासी समुदायों की परंपरा से जोड़ें, तो पाते हैं कि इनमें से कई बातें वहाँ पहले से विद्यमान थीं। आज आवश्यकता है कि गांधी के ग्राम स्वराज के विचार को आदिवासी दृष्टिकोण से पुनः देखा जाए। विकास के मापदंडों को इन समाजों की सहजीविता, सामूहिकता और लोकशक्ति की कसौटी पर परखा जाए। ग्राम पंचायत की औपचारिकता से आगे बढ़कर ग्रामसभा की आत्मा को केंद्र में लाया जाए। यह केवल आदिवासी अधिकारों की बात नहीं है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र को उसकी जड़ों से जोड़ने का प्रयास है। गांधी ने जो सपना देखा था, वह केवल एक वैचारिक अवधारणा नहीं थी। वह भारत की जमीनी हकीकत थी, जो आदिवासी समाजों में युगों से जिया जा रहा था। यह विडंबना है कि जिसे हमने सभ्यता से बाहर माना, वही हमें सभ्यता की मूल शिक्षा दे रहा था। अब समय आ गया है कि हम आदिवासी समाजों की परंपरा को केवल संरक्षण की दृष्टि से नहीं, बल्कि सीखने की दृष्टि से देखें। ग्राम स्वराज कोई बीता हुआ सपना नहीं है। वह आज भी भारत की पहाड़ियों, जंगलों और गाँवों में साँस ले रहा है। गांधी का ग्राम स्वराज कोई जड़ दर्शन नहीं था; वह एक जीवंत, गतिशील और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध लोकतांत्रिक कल्पना थी।

सुधीर पाल
लेखक
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सच्चा पुरुषार्थ...

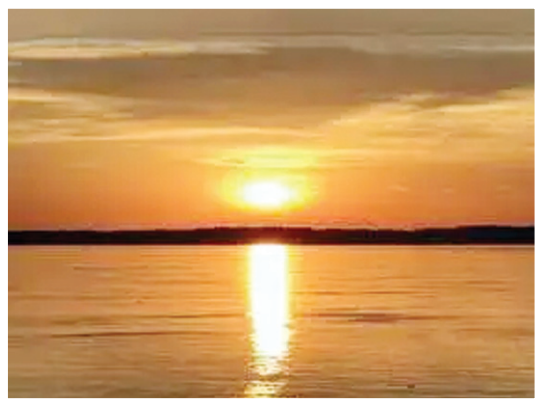

यह बात उन दिनों की है जब स्वामी विवेकानंद की चर्चा दुनिया भर में फैल चुकी थी। उनके विचारों को लेकर हर जगह विचार-विमर्श चल रहा था। उन्हें एक आदर्श के रूप में स्थापित होता देख एक विदेशी महिला बहुत प्रभावित हुई। उसने स्वामी विवेकानंद से विवाह करने का मन बना लिया। बस, इसके बाद वह हरदम उन्हीं के बारे में सोचती रहती। संयोग से एक दिन स्वामी विवेकानंद एक सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे तो उसने उनसे मिलने की ठान ली। वह किसी तरह उसी स्थान पर जा पहुंची जहां सम्मेलन हो रहा था।

महिला स्वामी जी के समीप जाकर निर्भीकता से बोली,स्वामी जी, मैं आपसे विवाह करना चाहती हूं। स्वामी विवेकानंद ने उससे पूछा,क्यों, विवाह तुम आखिर मुझसे ही क्यों करना चाहती हो? क्या तुम यह नहीं जानती कि मैं तो एक संन्यासी हूं? महिला ने पूरी विनम्रता से कहा,देखिए, बात ये है कि मैं आपके जैसा ही गौरवशाली, सुशील और तेजमय पुत्र चाहती हूं। और वह तो तभी संभव होगा जब आप मुझसे विवाह करेंगे। यह सुनकर स्वामी विवेकानंद ने उत्तर दिया, देखो, हमारी शादी तो संभव नहीं है, परंतु एक उपाय अवश्य है। महिला बोली,कैसा उपाय? स्वामी विवेकानंद बोले,आज से मैं ही आपका पुत्र बन जाता हूं और आप मेरी मां बन जाएं। आपको मेरे जैसा पुत्र मिल जाएगा। विवेकानंद की यह बात सुनकर विदेशी महिला उनके चरणों पर गिर पड़ी और बोली,स्वामी जी, सचमुच आप साक्षात ईश्वर के रूप हैं। इसे कहते हैं पुरुष और ये होता है पुरुषार्थ। सच्चा पुरुषार्थ तभी होता है जब पुरुष नारी के प्रति अपने मन में पुत्र जैसा भाव ला सके और उसमें मातृत्व की भावना उत्पन्न कर सके।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद...

मुंबई ■

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बाद भी खरीदारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 443 अंक बढ़कर 81,442.04 अंकों के स्तर पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 130 अंक बढ़कर 24,750.90 अंकों के स्तर पर बंद हुआ। वहीं मिडकैप शेयरों की बात करें तो आज उतार-चढ़ाव रहा। निफ्टी मिडकैप 101 अंक की बढ़त के साथ 16,296.65 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सबसे अधिक लाभ वाले शेयर हिंद जिंक, ग्लेनमार्क और एलटी फाइनेंस रहे। इनमें 5.04 फीसदी, 4.76 फीसदी और 4.65 फीसदी की बढ़त रही। । एंजल वन और सीडीएसएल के शेयरों में भी 4.57 फीसदी और 4.56 फीसदी की तेजी रही। दूसरी ओर आरबीएल बैंक, हुडको, सोना बीएलडब्यू, फेडरल बैंक और डिक्सन टेक्नोलॉजी के शेयरों में 2.63 फीसदी, 2.26 फीसदी, 1.85 फीसदी, 1.85 फीसदी और 1.75 फीसदी की गिरावट रही और ये सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। शेयर बाजार में तेजी का कारण भारतीय रिजर्व बैंक के रिपो रेट में कटौती करने की उम्मीदें है। जिससे निवेशक उत्साहित हैं। इसके अलावा, अमेरिका की अर्थव्यवस्था में मंदी के संकेत और कमजोर डॉलर के कारण विदेशी निवेश भारत की ओर रुख कर सकते हैं। भारत-अमेरिका के व्यापार समझौते की संभावना और रुपये की मजबूती से भी बाजार ऊपर आया है। इससे पहले आज सुबह बाजार गुरुवार को मामूली बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स 150 से ज्यादा अंक चढ़कर 81,196.08 पर खुला। हालांकि, खुलने के कुछ ही मिनटों में यह फिसल गया। सुबह की शुरूआत में सेंसेक्स 98.52 अंक चढ़कर 81,096.77 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी-50 भी मामूली बढ़त के साथ 24,691.20 पर खुला। सुबह शुरूआत में यह 43.45 अंक की मामूली बढ़त लेकर 24,663 पर कारोबार कर रहा था। वहीं दूनिया भर के बाजारों की बात करें तो ए?शियाई बाजारः एशियाई बाजारों में गुरुवार को मिलाजुला कारोबार हुआ। अमेरिका में निजी क्षेत्र की भर्ती के कमजोर आंकड़ों ने दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था पर व्यापार नीति की अनिश्चितता के प्रभाव को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया पांच पैसे की बढ़त के साथ ही 85.82 रुपये पर बंद हुआ। विदेशी बाजार में डॉलर की मांग बढ़ने की वजह से रुपया गुरुवार को शुरूआती कारोबार में नौ पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.96 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर की बढ़ती मांग और निवेशकों के भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति बैठक के परिणाम से पहले सतर्क होने का दबाव भारतीय मुद्रा पर पड़ा। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने अपना तीन दिवसीय मंथन शुरू कर दिया है जिसके परिणाम छह जून को घोषित किए जाएंगे। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.86 प्रति डॉलर पर खुला। शुरूआती कारोबार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 85.96 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की बढ़त दशार्ता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.87 पर बंद हुआ था।

सोने के भाव 98,500 रुपए, जबकि चांदी 1,01,600 रुपए के करीब

नई दिल्ली ■

सोने के भाव में गुरुवार को शुरूआत में नरमी, जबकि चांदी भाव तेजी के साथ कारोबार देखा गया है। घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने के भाव 98,500 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,01,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना गिरावट और चांदी तेजी के साथ कारोबार कर रही है।

सोने के वायदा भाव की शुरूआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 123 रुपये की गिरावट के साथ 98,456 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 98,579 रुपये था। इस समय

यह 64 रुपये की गिरावट के साथ 98,515 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 119 रुपये की तेजी के साथ 1,01,499 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,01,380 रुपये था। इस समय यह कॉन्ट्रैक्ट 259 रुपये की तेजी के साथ 1,01,639 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा गिरावट के साथ और चांदी के भाव तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। कॉमेक्स पर सोना 3,398 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,399.20 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 5.70 डॉलर की गिरावट के साथ 3,393.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 34.65 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 34.64 डॉलर था। इस समय यह 0.03 डॉलर की तेजी के साथ 34.68 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

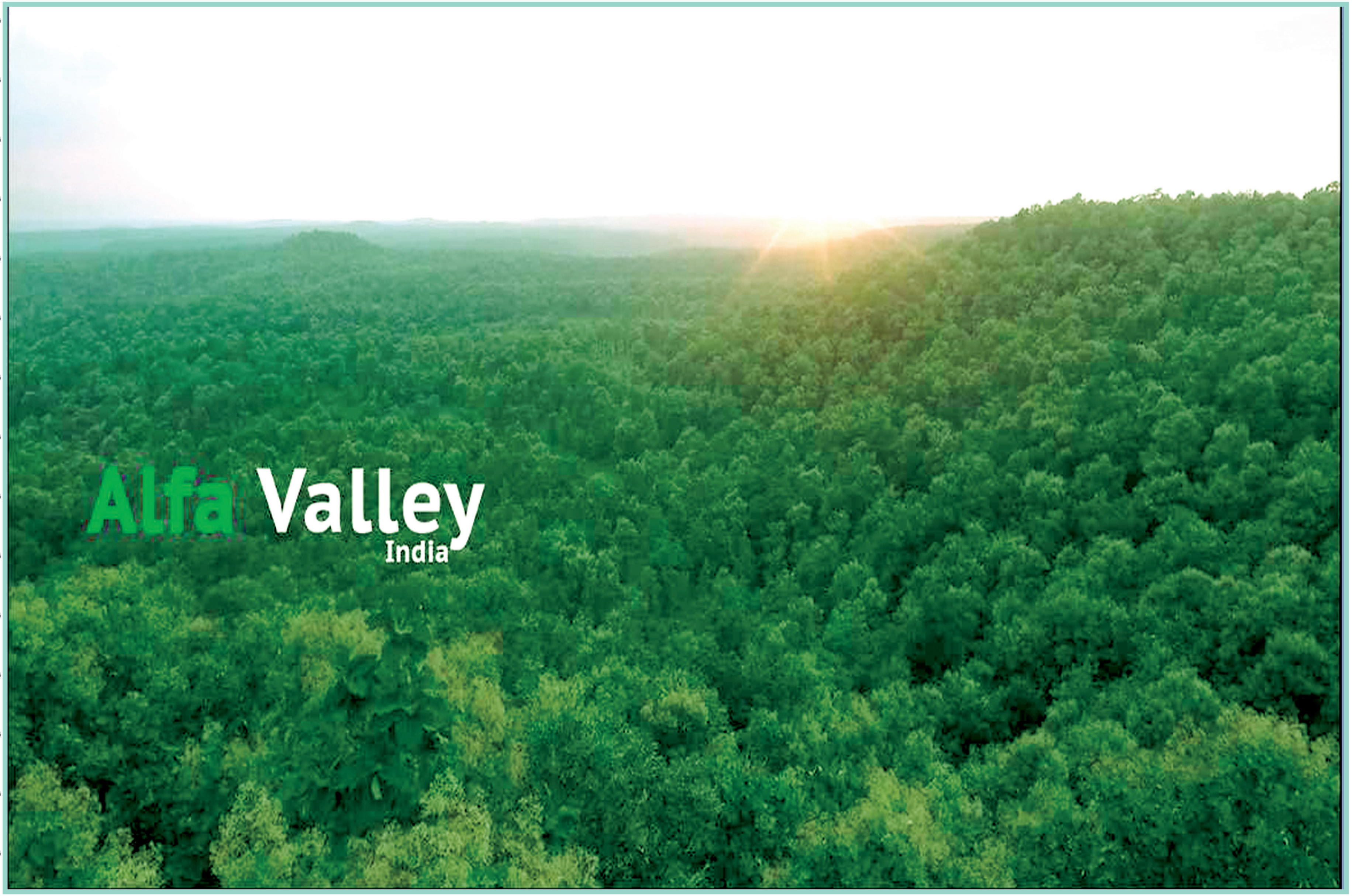

Alfa Valley
India

मनोरंजन

मासिक धर्म को लेकर खुलकर बात की करीना ने

मेंस्ट्रुअल हाइजीन डे के मौके पर अभिनेत्री करीना कपूर ने मासिक धर्म को लेकर खुलकर बात की। करीना ने इसे समस्या नहीं बल्कि जागरूकता की कमी बताया। उन्होंने गुजरात के स्कूलों की उस पहल की तारीफ की जहां मासिक धर्म कॉर्नर बनाए गए हैं। अपने सोशल मीडिया पोस्ट में करीना ने बताया कि इन कॉर्नर्स में छात्र कार्ड गेम्स, रोल-प्ले, इंटरैक्टिव मॉडल और किताबों के जरिए मासिक धर्म के बारे में जान सकते हैं, जो एक सुरक्षित और स्वागत योग्य कदम है। करीना ने लिखा कि यूनीसेफ इंडिया और सरकार के सहयोग से स्कूलों में यह पहल पुरानी धारणाओं को तोड़ने और मासिक धर्म के बारे में बातचीत को सामान्य बनाने में मदद कर रही है। इस कार्यक्रम से 1,03,000 से अधिक लड़कियों और 88,000 लड़कों तक जागरूकता पहुंची है, जो न सिर्फ उन्हें आत्मविश्वास देता है, बल्कि उन्हें सम्मान और शिक्षा के जरिए अपने सपनों को पूरा करने में भी मदद करता है। उन्होंने अपने पोस्ट में आगे कहा, पीरियड्स फ्रेंडली वर्ल्ड के लिए हर छात्र के लिए खुली बातचीत और सुरक्षित माहौल जरूरी है। मासिक धर्म मायने रखता है।

करीना से पहले अभिनेत्री संदीपा धर ने भी मासिक धर्म को लेकर खुलकर बात करने की जरूरत पर जोर दिया था। संदीपा का मानना है कि हर छोटा कदम महत्वपूर्ण होता है और हमें इस विषय पर खुलकर संवाद करना चाहिए। वहीं, अभिनेत्री निमरत कौर ने बताया कि मासिक धर्म महिलाओं के स्वास्थ्य का एक जरूरी और प्राकृतिक हिस्सा है, लेकिन यह आज भी एक खामोशी से घिरी हुई बात है।

ऋतिक होम्बले साथ नए प्रोजेक्ट के लिए तैयार

प्रोडक्शन हाउस होम्बले फिल्म्स के साथ अभिनेता ऋतिक रोशन ने एक नए प्रोजेक्ट के लिए हाथ मिलाया है। ऋतिक रोशन और होम्बले फिल्म्स पहली बार एक साथ काम करने जा रहे हैं। अभी इस प्रोजेक्ट के बारे में ज्यादा जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है और यह भी स्पष्ट नहीं है कि ऋतिक इस प्रोजेक्ट में किस भूमिका में नजर आएंगे। हालांकि, इस साझेदारी को लेकर दोनों पक्षों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। ऋतिक ने होम्बले फिल्म्स के साथ काम करने को लेकर कहा कि पिछले कुछ वर्षों में होम्बले ने इंडस्ट्री को कई बेहतरीन और यादगार कहानियां दी हैं। उन्होंने कहा कि वह इस प्रोडक्शन हाउस के साथ काम करके अपने फैंस को शानदार सिनेमाई अनुभव देना चाहते हैं। ऋतिक ने इस सहयोग को लेकर अपनी उत्सुकता जताई और कहा कि वे बड़े सपने देख रहे हैं और उन्हें पूरा करने के लिए पूरी लगन से जुटे हैं। होम्बले फिल्म्स के संस्थापक विजय किरागंदूर ने भी इस सहयोग पर खुशी जाहिर की और बताया कि उनका मकसद दर्शकों को ऐसी कहानियां देना है जो प्रेरित करने के साथ-साथ सोच को नई दिशा दें। विजय ने कहा कि ऋतिक रोशन के साथ काम करना उनके लिए एक बड़ा अवसर है और इससे वह अपने सपनों को साकार करने में मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी कोशिश होगी कि दर्शकों को ऐसा अनुभव मिले जो यादगार और समय के साथ भी प्रासंगिक बना रहे। होम्बले फिल्म्स ने भारतीय सिनेमा में कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं।

नाना ने ठुकराया फिल्म एसएसएमबी 29 का ऑफर

दिग्गज निर्देशक एसएस राजामौली की अपकमिंग फिल्म एसएसएमबी 29 के ऑफर को मशहूर अभिनेता नाना पाटेकर मना कर दिया है। इस फिल्म में महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा मुख्य भूमिका में हैं। इस साल की शुरुआत में खबरें आई थीं कि राजामौली ने नाना पाटेकर को इस फिल्म के लिए अप्रोच किया था। बताया गया था कि राजामौली खुद पुणे जाकर नाना को फिल्म की स्क्रिप्ट सुनाई थी और बाद में नाना ने लुक टेस्ट भी दिया था। लेकिन अब एक रिपोर्ट के अनुसार, नाना ने इस फिल्म से दूरी बना ली है। बताया जा रहा है कि नाना ने विनम्रता से ऑफर ठुकराया क्योंकि उन्हें किरदार में ऐसा कुछ नहीं मिला जो वे करना चाहते थे। राजामौली 'बाहुबली' और 'आरआरआर' जैसी सुपरहिट फिल्मों के बाद एसएसएमबी 29 को अपना अब तक का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट मानते हैं। इसलिए उन्होंने नाना पाटेकर को इस फिल्म के एक महत्वपूर्ण रोल के लिए कास्ट करना चाहा था। कहा जा रहा है कि नाना को इस भूमिका के लिए 20 करोड़ रुपये की फीस ऑफर की गई थी, जबकि शूटिंग केवल 15 दिनों की थी। हालांकि, नाना ने साफ कहा कि वे निकट भविष्य में राजामौली के साथ काम करने के इच्छुक हैं। फिल्म एसएसएमबी 29 का टाइटल अभी फाइनल नहीं हुआ है। इस साल जनवरी में इसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा भी इस फिल्म के लिए इंडिया आई थीं और उन्होंने महेश बाबू के साथ हैदराबाद में शूटिंग के शुरुआती शेड्यूल में हिस्सा लिया है। फिल्म में महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन के अलावा कई और कलाकार भी हैं। राजामौली की इस फिल्म की कहानी उनके पिता वी विजयेंद्र प्रसाद ने लिखी है।

जोकोविच फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे:वर्ल्ड नंबर-1 सिनर से भिड़ेंगे, गौफ ने क्वार्टर फाइनल में कीज को हराया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने फ्रेंच ओपन 2025 के मेंस सिंगल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। क्वार्टर फाइनल में जोकोविच ने पहले सेट में पिछड़ने के बावजूद शानदार वापसी की। जोकोविच के अलावा, वर्ल्ड नंबर-1 जैनिक सिनर भी सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं।

जोकोविच की फ्रेंच ओपन में 101वीं जीत 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच ने क्वार्टर फाइनल में तीसरे सीड एलेक्जेंडर ज्वेरेव को चार सेटों में 4-6, 6-3, 6-2, 6-4 से हराया। इस जीत के साथ जोकोविच ने फ्रेंच ओपन में अपनी 101वीं जीत दर्ज की है। 38 साल के जोकोविच अब सेमीफाइनल में दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी जैनिक सिनर से भिड़ेंगे। दोनों के बीच अब तक 8 मुकाबले हुए हैं, जिनमें स्कोर 4-4 है। पिछले तीन मैचों में सिनर ने जीत हासिल की है। इटली के टेनिस स्टार जैनिक सिनर सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में कजाखस्तान के एलेक्जेंडर बुब्लिक को 1 घंटे 49 मिनट में 6-1, 7-5, 6-0 से हराया। इस जीत के साथ सिनर ने ग्रैंड स्लैम में अपनी लगातार 19वीं जीत दर्ज की है और वह अब नोवाक जोकोविच के खिलाफ सेमीफाइनल में खेलेंगे।

गौफ ने क्वार्टर फाइनल में कीज को हराया

अमेरिकी खिलाड़ी कोको गौफ ने क्वार्टर फाइनल में हमवतन मेडिसन कीज को हरा दिया है। उन्होंने कीज को 6-7(6), 6-4, 6-1 से हराया। सेमीफाइनल में गौफ का मुकाबला फ्रांसीसी वाइल्डकार्ड खिलाड़ी लोइस बॉइसन से होगा, जिन्होंने छठी वरीयता प्राप्त मिर्रा एंड्रीवा और तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को हराकर सभी को चौंका दिया है।

भारत से पहले टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम का ऐलान ओवरटन की वापसी, पहला मुकाबला 20 जून से

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के पहले मैच के लिए इंग्लैंड टीम का ऐलान हो गया है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (श्वष्टक्च) ने गुरुवार को 14 मेंबर्स स्क्वॉड का ऐलान किया। बेन स्टोक्स की कप्तानी वाली इस टीम में जेमी ओवरटन को मौका मिला है। वहीं, गस एटकिंसन चोट के कारण टीम में नहीं चुने गए हैं। ओवरटन तीन साल बाद टेस्ट टीम में लौटे हैं। सीरीज का पहला मुकाबला 20 जून 2025 से हेडिंग्ले, लीड्स में शुरू होगा। इस मैच के साथ ही इंग्लैंड और टीम इंडिया के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के चौथे साइकिल की शुरुआत होगी।

एटकिंसन चोट के कारण टीम में नहीं

भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए इंग्लैंड की

टीम बेन स्टोक्स (कप्तान), शोएब बशीर, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्स, सैम कुक, जैक क्राउली, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), जोश टंग, क्रिस वोक्स।

इंग्लैंड दौरे के लिए 18 मेंबर्स वाली भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, ऋषभ पंत (उपकप्तान), ध्रुव जुरेल, नीतीश रेड्डी, शार्दूल ठाकुर, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

केएल राहुल इंग्लैंड में इंडिया-ए टीम से जुड़े

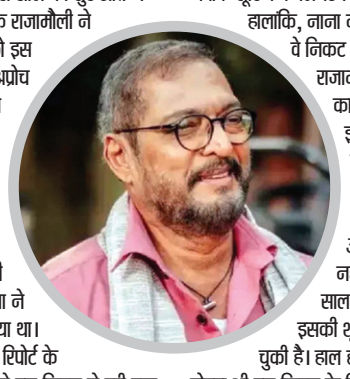

भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल इंग्लैंड में इंडिया-ए टीम से जुड़ गए हैं। वे 6 जून से इंग्लैंड लायंस के खिलाफ शुरू होने वाले दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट से पहले टीम में शामिल हुए। राहुल भारत-इंग्लैंड के बीच खेले जाने वाली 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का भी हिस्सा हैं। इंग्लैंड के लिए टीम इंडिया के बाकी मेंबर्स 6 जून को मुंबई से रवाना होंगे। दोनों टीमों के बीच सीरीज का पहला मुकाबला 20 जून से शुरू होगा। राहुल ने इंग्लैंड में 9 टेस्ट मैच खेले हैं केएल राहुल ने इंग्लैंड में 9 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 34.11 की औसत से 614 रन बनाए हैं, जिसमें उनका बेस्ट स्कोर 149 रहा है। उन्होंने इन मैचों में 2 शतक और 1 अर्धशतक लगाया है।

कुलदीप की वंशिका से सगाई हुई

नई दिल्ली ■ एजेंसी

लखनऊ। क्रिकेटर कुलदीप यादव ने अपने बचपन की दोस्त वंशिका से लखनऊ में सगाई की है। एक भव्य समारोह में सगाई का ये कार्यक्रम हुआ। सगाई सामारोह में कुलदीप ने जहां ऑफ वाइट रंग काएम्ब्रॉडरी वाला कोट पहना था। वहीं वंशिका नारंगी रंग के लहंगे में बेहद सुंदर नजर आ रही थी। एक रिपोर्ट के अ अनुसार वंशिका एलआईसी में काम करती हैं। कुलदीप ने कुछ समय पहले अपनी शादी को लेकर कहा था कि वह किसी बॉलीवुड अभिनेत्री से शादी नहीं करेंगे। उन्होंने तब कहा था, 'आपको जल्द ही खुशखबरी मिलेगी पर मेरी होने वाली बीवी कोई अभिनेत्र नहीं होगी। वह मेरी और मेरे परिवार की देखभाल करने वाली होगी। आईपीएल के इस सत्र में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से कुलदीप ने 14 मैच में कुल 15 विकेट लिए थे। वहं पिछले सत्र में उन्होंने 11 मैच में 16 विकेट लिए थे। 18वें सीजन की शानदार शुरुआत करने के बावजूद कुलदीप की टीम प्लेऑफ में क्वालीफाई नहीं कर पायी थी। अब कुलदीप भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर जाएंगे।

वैभव की बल्लेबाजी क्षमताओं को देखकर हैरान हैं सबा करीम और आमरे

मुम्बई। आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की टीम में शामिल 14 साल के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया है। वैभव ने इस सत्र में जिस प्रकार 35 गेंदों में ही शतक लगा दिया उससे दिग्गज भी हैरान हैं और कई लोगों का मानना है कि वह भविष्य का सितारा है। वैभव ने स्पिनर राशिद ख़ान के अलावा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, इशांत शर्मा और प्रसिद्ध कृष्णा का सामना बेखौफ होकर किया जिससे उसकी उनकी क्षमताओं का अंदाजा होता है। वैभव के प्रदर्शन को लेकर उसके बचपन के कोच बेहद उत्साहित हैं अनका मानना है कि वह आने वाले समय में भारतीय टीम में शामिल होगा। वैभव की पारियों को लेकर भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज़ सबा करीम ने कहा, मैंने वैभव की ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ अंडर-19 और कुछ दूसरी पारियों के वीडियो देखे थे।

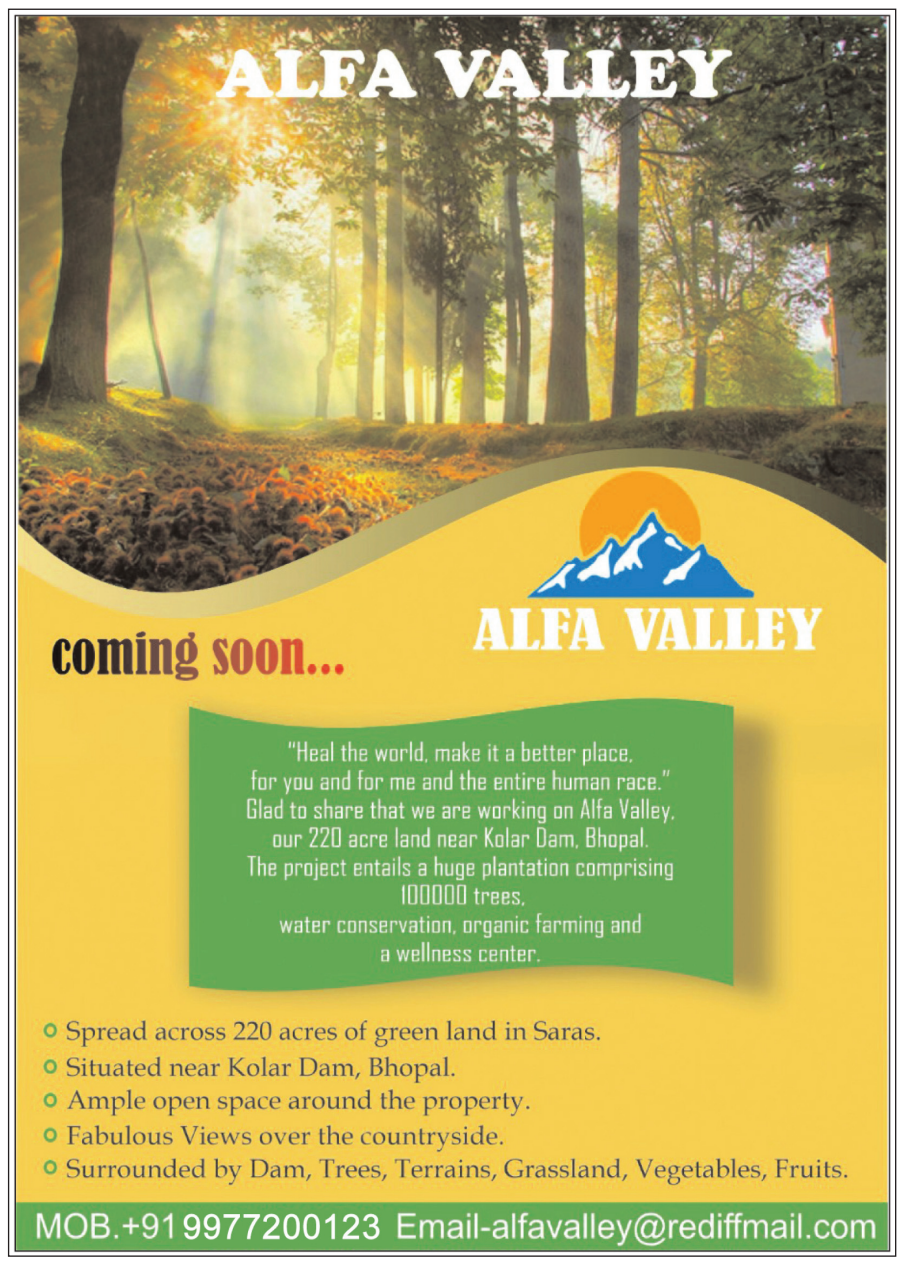

अब आप भी बन सकते हैं
ग्लोबल रिपोर्टर
अपने आस-पास होने वाली महत्वपूर्ण गतिविधियां, घटना-दुर्घटना की खबर, फोटो या वीडियो हमें वाट्सएप करें
7999509078
ना केबल कनेक्शन की झंझट, ना ही सेट-टॉप बॉक्स का खर्चा
ग्लोबल हेराल्ड न्यूज़ अब IPTV पर भी
बस एक बार गूगल करें और देखें हमेशा ताज़ातरीन खबरें
www.globalheraldtv.com
ग्लोबल हेराल्ड NATIONAL HERALD
न्यूज पेपर न्यूज चेनल वेब टीवी
globalheraldeditor@gmail.com

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल**, सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com